संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, बुधवार, 19 अप्रैल 2023 ₹ 1 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्षः 14 अंकः 107 पृष्ठः 08 | RNI : UTTHIN/2009/31653

actionindiaddn@gmail.com | उत्तराखण्ड संस्करण | दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को टेक्सटाइल पार्क की स्थापना के लिए लोकभवन में आयोजित एमओयू हस्ताक्षर कार्यक्रम को संबोधित किया।

आजीवन राकांपा में ही रहूंगा: अजित पवार

टीम एक्शन इंडिया/मुंबई राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अजीत पवार ने मंगलवार को कहा कि वे आजीवन राकांपा में ही रहेंगे। मेरे और मेरे साथियों के बारे में बेवजह गलतफहमियां फैलाई जा रही हैं। इन खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। इसी के साथ अजीत पवार ने पार्टी छोड़ने संबंधी चर्चाओं पर विराम लगा दिया है। अजित पवार ने कहा कि आज वे विधानभवन में बैठे थे और पार्टी के कई विधायकों ने उनसे मुलाकात की। इसका यह अर्थ नहीं कि वे सब पार्टी छोड़ने वाले हैं। विधायक अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं को लेकर उनसे मुलाकात करते हैं, जिसका अलग और गलत अर्थ लगाया जा रहा है। अजीत पवार ने कहा कि हम सब राकांपा में हैं, सभी विधायक राकांपा में रहेंगे।

अरुणाचल में बौद्ध अनुयाइयों का नेशनल कॉन्फ्रेंस

टीम एक्शन इंडिया/तवांग अरुणाचल प्रदेश में भारत-चीन सीमा पर बसे आखिरी गांव जेमिथांग में सोमवार को गोरसम स्तूप में नालंदा बौद्ध धर्म पर राष्ट्रीय सम्मेलन हुआ। इसे चीन को भारत और बौद्ध अनुयायियों की ओर से संदेश के रूप में देखा जा रहा है। चीन ने 15 दिन पहले चीन ने अरुणाचल की 11 जगहों के नाम बदले थे। तवांग जिले में नालंदा बौद्ध परंपरा के तहत बुद्धिस्ट नेशनल कॉन्फ्रेंस हुई। जिसमें सीएम पेमा खांडू ने शिरकत की। इस कॉन्फ्रेंस में रिनपोछे, गेहेस, खेनपोस के प्रतिनिधि और सभी हिमालयी राज्यों हिमाचल प्रदेश, लद्दाख, उत्तराखंड, जम्मू और कश्मीर (पद्दार-पांगी), सिक्किम, उत्तर बंगाल (दार्जिलिंग, डोर, जयगांव और कलिम्पोंग), विभिन्न हिस्सों जैसे तूतिंग, मेचुका, ताकसिंग और अनिनी से 35 प्रतिनिधि शामिल हुए।

कर्नाटक में मुस्लिम कोटा विवाद- अगली सुनवाई 25 अप्रैल को

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली कर्नाटक की बसवराज बोम्मई सरकार ने राज्य में मुस्लिम ओबीसी का 4% आरक्षण खत्म कर दिया। इस कोटे को वोक्कालिगा और लिंगायत के बीच बराबर दो-दो फीसदी बांट दिया। सरकार के इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई हुई। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई को 25 अप्रैल तक टाल दिया। कर्नाटक सरकार की तरफ से पेश हुए एसजी तुषार मेहता ने जस्टिस केएम जोसेफ और जस्टिस बीवी नागरत्ना की बेंच से फैसला टालने की मांग करते हुए कहा कि राज्य सरकार अगली तारीख तक विवादित निर्णय के आधार पर नई नियुक्तियां नहीं करेगा। इसके पहले 13 अप्रैल को भी सुप्रीम कोर्ट में इस केस की सुनवाई हुई थी।

अभी भी सुलग रहा प्रयागराज!

अतीक अहमद के वकील के नहीं बल्कि पड़ोसी के घर हुआ बम हमला, गुड्डू मुस्लिम के घर पर चल सकता है बुलडोजर, नोटिस में गुड्डू मुस्लिम को सरेंडर करने के लिए 18 अप्रैल तक का समय दिया गया, अतीक का धमकी भरा व्हाट्सऐप चैट वायरल

सनसनी

= बम विस्फोट से धुआं फैल गया। सड़क पर और वकील दयाशंकर के घर के अंदर बम से निकले छर्रे बिखर गए

टीम एक्शन इंडिया/प्रयागराज

प्रयागराज में हुई माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या के बाद दोनों से जुड़ी तमाम तरह की बातें मीडिया में आग की तरह फैली हुई हैं। इसी क्रम में मंगलवार को एक घटना ऐसी घटी, जिसमें अतीक अहमद और उसके वकील का नाम जोड़ दिया गया। बताया गया कि अतीक अहमद के वकील दयाशंकर मिश्र के घर के बाहर बम से हमला हो गया, लेकिन जब मामले की जांच की गई तो सच्चाई सामने आई। दरअसल, प्रयागराज के कटरा में गोबर गली में अतीक अहमद के वकील दयाशंकर मिश्रा के मकान के बाहर मंगलवार दोपहर बम धमाके हुए। दो अज्ञात लोगों ने वकील के घर के बाहर तीन बम पटके, जिनसे जोरदार धमाका हुआ। उस वक्त घर में वकील दयाशंकर नहीं थे। बम हमले में घर को कोई नुकसान नहीं हुआ और न कोई घायल हुआ, लेकिन मोहल्ले में अफरा तफरी मच गई। बम विस्फोट से धुआं फैल गया। सड़क पर और वकील दयाशंकर के घर के अंदर बम से निकले छर्रे बिखर गए। यह खबर इंटरनेट पर आग की तरह फैल गई कि वकील दयाशंकर के घर पर बम से हमला हुआ है।

शाइस्ता की तलाश में प्रयागराज में दबिशः उमेश पाल हत्याकांड में फरार चल रहे आरोपी गुड्डू मुस्लिम के घर पर बुलडोजर चल सकता है। प्रयागराज प्राधिकरण ने गुड्डू के घर पर एक नोटिस चस्पा किया है। नोटिस में गुड्डू मुस्लिम को सरेंडर करने के लिए 18 अप्रैल तक का समय दिया गया है। नोटिस के अनुसार 18 अप्रैल तक सरेंडर नहीं हुआ तो प्राधिकरण घर गिरा देगा। गुड्डू मुस्लिम पर 5 लाख का इनाम है। उधर, अतीक की पत्नी 50 हजार की इनामी शाइस्ता परवीन के छुपे होने की सूचना पर धूमनगंज के मरियाडीह व भरेठा में पुलिस ने दबिश दी है।

लेटर में क्या लिखा, मुझे जानकारी नहीं: वकील

अतीक के वकील विजय मिश्रा ने कहा कि जेल में मुलाकात के दौरान मुझसे भी अशरफ ने ऐसा कहा था। हालांकि वो लेटर किसके पास है, क्या लिखा है, इसकी मुझे जानकारी नहीं है। विजय के मुताबिक अशरफ को शक था कि ये सब कौन करवाने वाला है, लेकिन उसने उस आदमी का नाम नहीं लिया। जब वो जिला जेल बरेली अशरफ से मिलने गए थे तो उन्होंने इस घटना के बारे में अशरफ से पूछा था। विजय के मुताबिक अशरफ ने उनसे कहा था, आप मेरे वकील हैं। मैं आपको नहीं बताऊंगा।

अतीक-अशरफ हत्याकांड में एसआईटी ने जांच शुरू की

अतीक-अशरफ हत्याकांड में मंगलवार को एसआईटी ने जांच शुरू कर दी है। एसआईटी ने पुलिस से एफआईआर की कॉपी ले ली है। इसके बाद गवाहों के बयान दर्ज करेगी। इसके अलावा, क्राइम सीन को रीक्रिएट कर सकती है। यही नहीं, तीनों हमलावर लवलेश तिवारी, सनी सिंह और अरुण मौर्य से पूछताछ के लिए रिमांड एप्लिकेशन दाखिल करेगी। इधर, हत्याकांड की सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की देखरेख में जांच की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 24 तारीख को सुनवाई करेगा।

शाइस्ता परवीन का वो आखिरी खत...: पति-देवर के भी मर्डर का डर था

टीम एक्शन इंडिया/प्रयागराज

उमेश पाल की हत्या के ठीक 3 दिन बाद 27 फरवरी 2023 को माफिया अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन ने सीएम योगी को एक पत्र लिखा था। ऐसा दावा सोशल मीडिया पर वायरल एक लेटर को लेकर किया जा रहा है। पत्र में उन्होंने उमेश पाल मर्डर केस की सीबीआई जांच की मांग की थी। अपने बेटों के एनकाउंटर की आशंका जताई थी। इस खत के ठीक 47 दिन बाद उमेश की हत्या में शामिल रहे बेटे असद का 14 अप्रैल को एनकाउंटर हो गया। ठीक एक दिन बाद 48वें दिन शाइस्ता परवीन के शौहर अतीक अहमद और देवर अशरफ की पुलिस कस्टडी में गोली मारकर हत्या कर दी गई। अब एक बार फिर शाइस्ता परवीन का सीएम को लिखा यह लेटर वायरल हो रहा है। अतीक अहमद के अधिवक्ता और उमेश पाल अपहरण केस में आजीवन कारावास की सजा काट रहे खान सौलत हनीफ ने उस दौरान बताया था कि यह पत्र शाइस्ता परवीन की ओर से सीएम के पोर्टल पर भेजा गया था। इस पत्र में बसपा से जुड़ीं शाइस्ता परवीन ने लिखा है कि उमेश पाल हत्याकांड से उसके परिवार का कोई लेना-देना नहीं है। उनके दो नाबालिग बेटों को पुलिस कई दिन से उठाए है। उनके बच्चों की जान को खतरा है। पत्र में आरोप लगाया था कि पुलिस उनके बेटों का एनकाउंटर कर सकती है।

सेम सेक्स मैरिजः 'कोर्ट-संसद इस पर फैसला करेंगे'

यह कवायद अगली पीढ़ियों के लिए, अदालत और संसद इस पर फैसला करेंगेः चीफ जस्टिस

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली सेम सेक्स मैरिज को कानूनी मान्यता देने की मांग करने वाली 15 याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई 19 अप्रैल को दोबारा होगी। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस एसके कौल, जस्टिस एस रवींद्र भट, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस हिमा कोहली की पांच जजों की संवैधानिक बेंच इन पर सुनवाई कर रही है। मंगलवार को सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और सेम सेक्स मैरिज के पक्ष में लगाई गई याचिकाओं की पैरवी मुकुल रोहतगी ने की। पहले दिन सुबह 11 बजे से शुरू हुई सुनवाई पहले दोपहर 1 बजे तक चली फिर लंच के बाद दो बजे से 4 बजे तक हुई।

केंद्र सरकारः सॉलिसिटर जनरल एसजी मेहता ने कहा कि सेम सेक्स मैरिज का मुद्दा ऐसा नहीं है, जिस पर एक पक्ष में बैठे 5 लोग,

जिरह

= सेम सेक्स मैरिज का मुद्दा ऐसा नहीं है, एक पक्ष में बैठे 5 लोग, दूसरे पक्ष में बैठे 5 लोग और बेंच पर बैठे 5 विद्वान बहस कर सकें

दूसरे पक्ष में बैठे 5 लोग और बेंच पर बैठे 5 विद्वान बहस कर सकें। इसमें दक्षिण भारत के किसान और उत्तर भारत के बिजनेसमैन का भी नजरिया जानना होगा।

केंद्र सरकारः हम अभी भी इन याचिकाओं के आधार पर सवाल कर रहे हैं, क्योंकि हो सकता है कि इस मामले पर सभी राज्य एकराय न हों। हम अभी भी यही कह रहे हैं कि क्या इस मुद्दे पर कोर्ट खुद फैसला ले सकती है।

सुप्रीम कोर्टः हम जानना चाहते हैं कि याचिकाकर्ता क्या दलीलें दे रहे हैं। देखते हैं कि याचिकाकर्ता और हमारे दिमाग में क्या चल रहा है।

केंद्र सरकारः यह बहुत ही संवेदनशील मुद्दा है।

पीएम मोदी के 'विजन 2047' को साकार करने में जुटे शाह

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली में गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के चिंतन शिविर की अध्यक्षता की। चिंतन शिविर का उद्देश्य मंत्रालय के काम की समीक्षा करना और पीएम मोदी के 'विजन 2047' को लागू करने के लिए एक कार्य योजना तैयार करना है। बता दें कि चिंतन शिविर में दो सत्रों में चर्चा हो रही है।

पीएम मोदी के 'विजन 2047' को साकार करने में जुटे शाहः केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 'चिंतन शिविर' में पीएम मोदी के विजन-2047 को लागू करने के लिए एक कार्य योजना तैयार करने से पहले गृह मंत्रालय के काम की भी समीक्षा की।

ज्ञानवापी मस्जिदः मुसलमानों के वजू के लिए अलग से वैकल्पिक व्यवस्था

टीम एक्शन इंडिया/वाराणसी

ज्ञानवापी मस्जिद में मुसलमानों के लिए वजू (हाथ पैर,कुहनियों को धोने) की व्यवस्था वाराणसी जिला प्रशासन की ओर से की जायेगी। इसके लिए ज्ञानवापी में अलग से वैकल्पिक व्यवस्था होगी। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर मंगलवार को जिलाधिकारी एस राजलिंगम ने ज्ञानवापी मस्जिद की प्रबंध कमेटी अंजुमन इंतजामिया मसाजिद के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में तय हुआ कि वजू के लिए अलग से एक टंकी स्थापित की जाएगी। मोबाइल टायलेट के बारे में भी चर्चा हुई। सुप्रीम कोर्ट ने बीते सोमवार को रमजान माह में मुसलमानों की दिक्कतों को देखते हुए वजू को लेकर वाराणसी जिला प्रशासन को आदेश दिया था कि अंजुमन इंतजामिया कमेटी के सदस्यों के साथ बैठक कर इस मामले मे सर्वमान्य हल निकाले। जिलाधिकारी ने बैठक के बाद मीडिया कर्मियों को बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर मस्जिद प्रबंधन के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं के संदर्भ में विस्तार से चर्चा हुई। उनकी समस्याओं का समाधान निकाला जा चुका है।

खत्म नहीं हो रहा गहलोत-पायलट में रार!

टीम एक्शन इंडिया/जयपुर

पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के अनशन पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पहली बार खुलकर अपनी राय रखी है। इस मामले पर उन्होंने कांग्रेस के राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा के जरिए आलाकमान को जवाब भेजा है और पायलट पर गुमराह करने का आरोप लगाते हुए हमला बोला है। पायलट का कहना था कि पिछली वसुंधरा सरकार के समय हुए 45 हजार करोड़ के खान घोटाले सहित अन्य भ्रष्टाचार की जांच सीएम अशोक गहलोत ने नहीं कराई। इसे

लेकर उन्होंने 11 अप्रैल को अनशन भी किया था। इस पूरे मामले में गहलोत अब तक चुप्पी साधे रहे।

पायलट को या तो जानकारी नहीं, या जनता को गुमराह कर रहे हैंः गहलोत ने अपने जवाब में कहा- पायलट अनशन पर क्यों बैठे, यह समझ से परे है। जिन मुद्दों की वे बात कर रहे हैं, उन सभी पर सरकार कार्रवाई कर चुकी है। या तो पायलट को जानकारी नहीं है या फिर वो जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। डेढ़ साल तक सरकार में रहते हुए कभी पायलट ने ये मुद्दे नहीं उठाए। साढ़े चार साल तक इन आरोपों पर चुप रहे।

खनन घोटाले पर 91 कार्रवाई हुईंः खनन आवंटन तो कांग्रेस के दबाव में भाजपा सरकार के दौरान ही रद्द कर दिए थे। तब कई लीजधारक हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट गए।

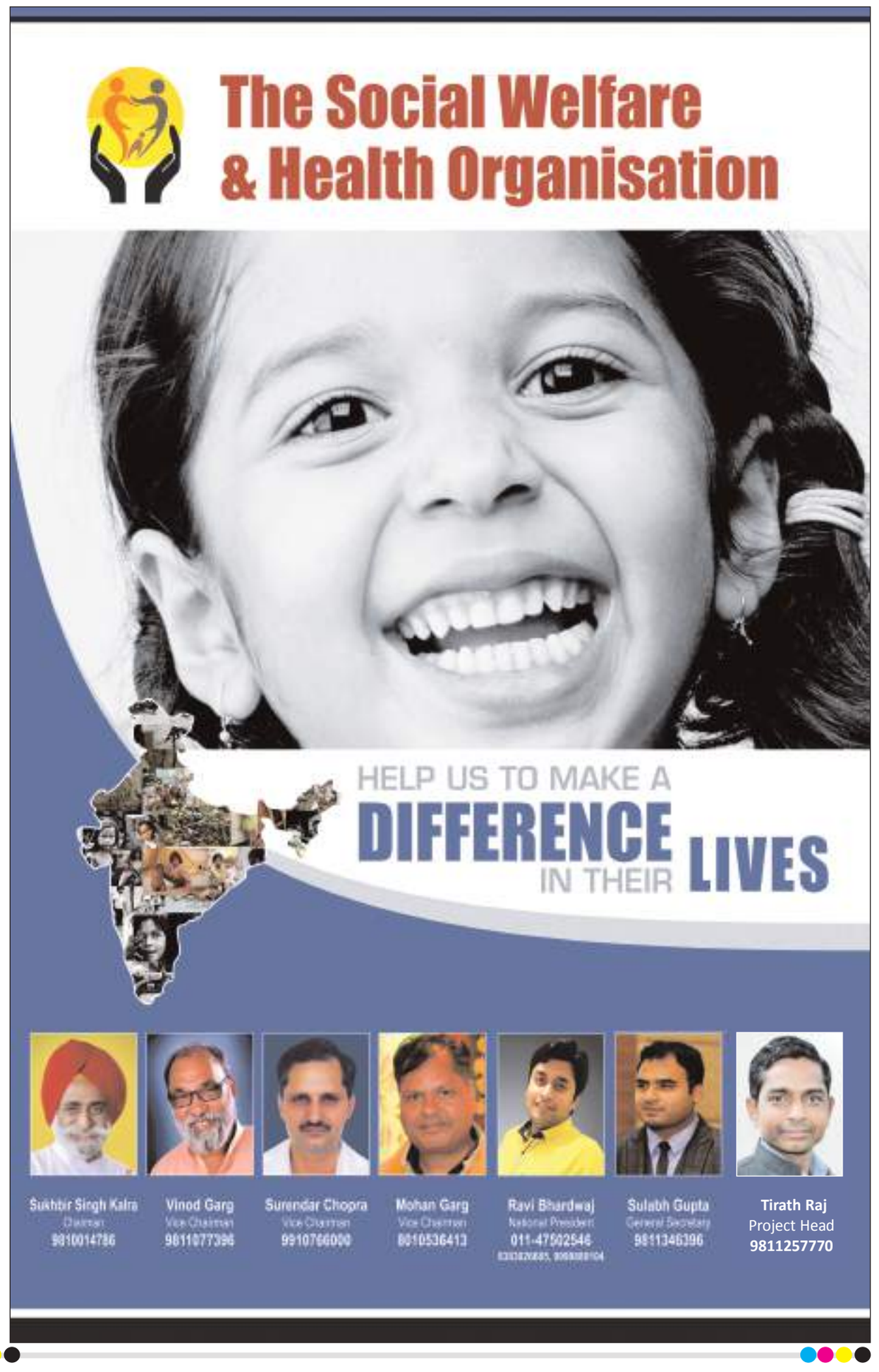

कड़े प्रबंध राष्ट्रपति के प्रवास को लेकर रिट्रीट से लेकर प्रदेश विश्वविद्यालय तक सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए

चार दिन के प्रवास पर शिमला पहुंची राष्ट्रपति मुर्मू

टीम एक्शन इंडिया/शिमला/चमन शर्मा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गत दिवस को हिमाचल के चार दिवसीय प्रवास पर शिमला पहुंच गई हैं। वह छराबड़ा स्थित कल्याणी हैलीपैड पर हैलीकॉप्टर से हिमाचल प्रवास पर पहुंची। राष्ट्रपति शिमला के निकट मशोबरा स्थित राष्ट्रपति निवास रिट्रीट में ठहरी हैं। राष्ट्रपति के प्रवास को लेकर रिट्रीट से लेकर प्रदेश विश्वविद्यालय तक सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। जिला प्रशासन ने राष्ट्रपति के दौरे के दृष्टिगत आम लोगों के लिए बाकायदा एडवाइजरी भी जारी की है। राष्ट्रपति के दौरे के

दृष्टिगत 19 अप्रैल को कैनेडी चौक से बालुगंज सडक यातायात के लिए बंद रहेगी। उपायुक्त शिमला की ओर से जारी आदेशों के अनुसार इस सडक पर सुबह 10 बजे से सांय 5 बजे तक सभी प्रकार के वाहनों का यातायात बंद रहेगा। आपातकाल वाहनों पर ये नियम लागू नहीं होंगे। द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति बनने के बाद पहली बार शिमला प्रवास पर पहुंची हैं। शिमला पहुंचने के एक दिन बाद कल 19 अप्रैल को वह प्रदेश विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगी। राष्ट्रपति 10 मेधावियों को स्वर्ण पदक प्रदान कर सम्मानित करेंगी। 20 अप्रैल को राष्ट्रपति के सम्मान में राजभवन में एक कार्यक्रम का आयोजन होगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 21 अप्रैल को दिल्ली वापिस लौटेंगी। राष्ट्रपति का शिमला पहुंचने पर गर्मजोशी से किया स्वागत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के चार दिवसीय प्रवास पर मंगलवार को शिमला पहुंचने पर मशोबरा स्थित कल्याणी हेलीपैड पर राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल तथा मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राष्ट्रपति का स्वागत किया। राष्ट्रपति के साथ उनके परिजन भी उपस्थित रहे।

मंडियों से गेहूं की उठान समय पर सुनिश्चित करें अधिकारी: सीएम

बैठक में प्रशासनिक सचिव भी रहे मौजूद, अंबाला लोकसभा क्षेत्र की सभी विधानसभा क्षेत्रों में लंबित विकास परियोजनाओं की प्रगति की 15 दिनों में रिपोर्ट करें प्रस्तुत–मनोहर लाल

टीम एक्शन इंडिया/चंडीगढ़
हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रशासनिक सचिवों को निर्देश दिए कि अंबाला लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत पड़ने वाली सभी विधानसभा क्षेत्रों में लंबित विकास परियोजनाओं की प्रगति से संबंधित आगामी 15 दिनों में रिपोर्ट प्रस्तुत करें। साथ ही, विधानसभा क्षेत्रों के जन प्रतिनिधि एवं प्रबुद्ध व्यक्ति भी अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य को प्रगति पर लाने में सहयोग करें। मुख्यमंत्री अंबाला लोकसभा क्षेत्र के जनप्रतिनिधि एवं प्रबुद्ध व्यक्तियों और विभिन्न विभागों के प्रशासनिक सचिवों के साथ विशेष बैठक की अध्यक्षता करे रहे थे। लगभग चार घंटे से अधिक चली इस मैराथन बैठक में प्रबुद्ध व्यक्तियों ने विकास परियोजनाओं व सरकारी योजनाओं का जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन संबंधी कठिनाइयों की जानकारी दी। बैठक में गृह मंत्री अनिल विज और स्कूल शिक्षा मंत्री कंवरपाल भी उपस्थित रहे।

मंडियों से गेहूं की उठान समय पर सुनिश्चित करें अधिकारी: बैठक में प्रबुद्ध व्यक्तियों द्वारा उठाये गए मंडियों में गेंहू उठान में आ रही दिक्क्त के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि ज्यों ही मंडियों में गेहूं का तोल हो जाता है त्यों ही कम से कम समय में उठान सुनिश्चित करें। इसके लिए अधिकारी स्थानीय ट्रांसपोर्टर्स व खरीद एजेंसियों के अधिकारियों के साथ निरंतर संपर्क रखें और आवश्यक दिशा-निर्देश दें। अधिकारी मंडियों का निरीक्षण भी करें और खरीद प्रबंधों का मौके पर जायजा लेकर समस्याओं का निवारण करें।

समस्याओं के समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता दें अधिकारी: मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन की व्यक्तिगत व सार्वजनिक शिकायत व सुझाव तो सीएम विंडो के साथ - साथ जनसंवाद पोर्टल व मुख्यमंत्री जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान मिल जाते हैं। प्रबुद्ध व्यक्तियों व उच्च अधिकारियों के साथ सीधा संवाद करने की आज से एक नई कवायद शुरू की है, इसलिए अधिकारी इसे गंभीरता से लें और समस्याओं के समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

बैठक में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल, लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, विकास एवं पंचायत विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनिल मलिक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ जी अनुपमा, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव एके सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव वी उमाशंकर, सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं अंत्योदय (सेवा) विभाग के प्रधान सचिव विजेंद्र कुमार, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के आयुक्त एवं सचिव पंकज अग्रवाल, शहरी स्थानीय निकाय विभाग के आयुक्त एवं सचिव विकास गुप्ता, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार भारत भूषण भारती, ओएसडी सुधांशु गौतम व भूपेश्वर दयाल उपस्थित रहे।

विधायक नैना चौटाला ने साढ़े तीन घन्टें तक सुनी जिला वासियों की समस्याएं

टीम एक्शन इंडिया/चरखी दादरी/बाढड़ा
बाढड़ा विधायक नैना सिंह चौटाला ने मंगलवार को दादरी के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में जनता दरबार लगाया। लगातार साढ़े तीन घंटे तक जिला वासियों की समस्याओं की सुनवाई करते हुए विधायक नैना चौटाला ने उपस्थित सभी विभागों के अधिकारियों को जन समस्याओं का समाधान शीघ्र करने के आदेश दिए। जनता दरबार से पहले विधायक नैना चौटाला ने उपस्थित विभिन्न विभागों के अधिकारियों से बाढड़ा हल्के के विकास संबंधी अनेक मुद्दों पर चर्चा करते हुए समय बंद तरीके से लंबित कार्यों को पूरा करने के आदेश दिए। विधायक नैना चौटाला द्वारा लगाए गए जनता दरबार में बाढड़ा हल्का सहित पूरे जिलेभर से बड़ी संख्या में लोग अपनी फरियाद लेकर पहुंचे। लोगों की आशाओं को पूरा करते हुए विधायक नैना चौटाला ने मौके पर ही अधिकारियों को आदेश दिए कि जनसमस्याओं में के समाधान में कोई भी कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

8 चुनाव में जीता कर जो कर्ज उन पर चढ़ाया है, उसे वो चक्रवर्धी ब्याज सहित वापस लौट का काम करेंगी

दादरी और बाढड़ा मंडी पहुंच फसल खरीद व्यवस्था का लिया जायजा: विधायक नैना सिंह चौटाला ने मंगलवार को दादरी अनाज मंडी का दौरा कर फसल खरीद व्यवस्था का जायजा लिया। अनाज मंडी पहुंचकर विधायक नैना सिंह चौटाला ने किसानों व आढ़तियों की समस्याओं की सुनवाई की। किसानों ने विधायक नैना चौटाला को बताया कि उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के प्रयासों से गेहूं की खरीद किसी तरह की कोई परेशानी नहीं आ रही है।

परंतु सरसों खरीद में कुछ परेशानियां का सामना आढ़तियों के साथ-साथ किसानों को भी करनी पड़ रही है। किसानों ने बताया की पिछले दिन में हुई भारी बरसात और ओलावृष्टि के कारण सरसों की गुणवत्ता में कुछ कमी आई है। जिस कारण खरीद एजेंसी द्वारा सरसों खरीदने में कुछ नियमों का हवाला देकर सरसों नहीं खरीद रही हैं। किसानों की परेशानी को समझते हुए विधायक नैना चौटाला ने मौके पर ही जिला उपायुक्त को फोन कर दिशा निर्देश दिए कि वह कल ही सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर इस समस्या का समाधान करें। और किसानों को किसी तरह की परेशानी नहीं आने दी जाए।

गुडाना गांव का कर्ज चक्रवर्धी ब्याज सहित लौटाने का काम करूंगी: बाढड़ा विधायक नैना सिंह चौटाला ने मंगलवार को गांव गुडाना में ग्रामीण सभा को संबोधित किया। गांव में पहुंचने पर महिलाओं ने फूल मालाओं से विधायक नैना सिंह चौटाला का जोरदार स्वागत किया। ग्रामीणों ने गांव के विकास संबंधी एक मांग पत्र नैना चौटाला को सौंपा।

ग्रामीणों द्वारा दिए गए मांग पत्र की सभी मांगों को पूरा करने का आश्वासन देते हुए विधायक नैना सिंह चौहान ने कहा कि गांव गुड़ाना वासियों ने गत चुनाव में जीता कर जो कर्ज उन पर चढ़ाया है, उसे वो चक्रवर्धी ब्याज सहित वापस लौट का काम करेंगी। गांव के विकास में कोई कोर-कसर नहीं रहने दी जाएंगी।

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय और गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज चंडीगढ़ एयरपोर्ट पहुंचने पर भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का स्वागत करते हुए। साथ में हैं पंजाब के राज्यपाल व यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक बनवारी लाल पुरोहित!

सांसद सुनीता दुग्गल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की

टीम एक्शन इंडिया/सिरसा
सिरसा लोकसभा क्षेत्र के सांसद सुनीता दुग्गल ने मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। उन्होंने जिला के विकास कार्यों व नशा मुक्त भारत अभियान के तहत उठाए जा रहे सार्थक कदम को लेकर विस्तार से चर्चा की। गौरतलब है कि केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने हाल ही में चंडीगढ़ में नशीली दवाओं की तस्करी और राष्ट्रीय सुरक्षा' पर राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित किया था। सांसद दुग्गल ने नशे के खिलाफ सरकार के सहयोग को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री का आभार जताया और क्षेत्र में पूरी ऊर्जा के साथ काम करने का आश्वासन दिया।

उकलाना क्षेत्र के लोगों की वर्षों पुरानी मांगे हुई पूरी

टीम एक्शन इंडिया/चंडीगढ़
जिला हिसार के उकलाना शहर, उकलाना गांव व आसपास के क्षेत्र के लोगों की वर्षों पुरानी 2 बड़ी मांगें अब जल्द पूरी हो जाएंगी। श्रम मंत्री अनूप धानक ने बताया कि लगभग 6 करोड़ 45 लाख रुपए की लागत से भाखड़ा नहर से पीने के पानी की पाइप लाइन बिछाई जाएगी। जिससे उकलाना गांव व शहर में भाखड़ा का पीने का पानी लाया जाएगा। इसी तरह से लगभग 45 करोड़ रुपए की लागत से उकलाना-भुना मुख्य मार्ग पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण करवाया जाएगा। दोनों प्रोजेक्ट के टेंडर लगा दिए गए हैं और टेंडर प्रक्रिया पूर्ण होते ही निर्माण कार्य शुरू हो जाएंगे। जिससे क्षेत्र के लोगों की वर्षो पुरानी मांग पूरी हो जाएंगी। श्रम मंत्री अनूप धानक ने कहा कि उकलाना गांव व शहर के लोगों की वर्षों से मांग चली आ रही थी कि यहां पर भाखड़ा नहर से नई पाइप लाइन बिछाकर पीने का पानी लाया जाए। उन्होंने बताया कि लगभग 6 करोड़ 45 लाख रुपए की लागत से 7170 मीटर लंबी पाइप लाइन बिछाई जाएगी व एक वाटर टैंक बनाया जाएगा तथा वहीं पर पम्प सेट लगाया जाएगा। जिससे इस पाइपलाइन के माध्यम से भाखड़ा नहर से पीने का पानी उकलाना गांव व उकलाना शहर में पहुंचेगा। जिससे दोनों जगह की पीने के पानी की समस्या का स्थाई तौर पर समाधान होगा। श्रम मंत्री ने बताया कि पाइप लाइन बिछाने के लिए टेंडर लगाया जा चुका है और टेंडर प्रक्रिया पूरी होते ही पाइप लाइन बिछाने का कार्य शुरू हो जाएगा। उकलाना में चंडीगढ़-सिरसा मुख्य मार्ग पर बनने वाले रेलवे ओवरब्रिज की कुल लम्बाई 1132 मीटर होगी और कुल 23 पिलर लगाए जाएंगे। पिलर से पिलर की दूरी 30 मीटर की होगी। रिटर्निंग वाल की कुल लंबाई 383 मीटर होगी।

8 6 करोड़ 45 लाख रुपए की लागत से भाखड़ा नहर से पीने के पानी की पाइप लाइन बिछाई जाएगी

पोलियो वैक्सीन की तरह अन्य दवाओं पर भी लगें वायल मोनिटर इंडीकेटर

स्वास्थ्य मंत्री विज ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को लिखा पत्र, अब तक 162 मेडिकल स्टोरों के निरीक्षण में दस हुए सील

टीम एक्शन इंडिया/चंडीगढ़
हरियाणा के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री अनिल विज ने केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मंडाविया को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि जिस प्रकार से पोलियो वैक्सीन के भण्डारण के लिए उचित तापमान बनाए रखने और उचित तापमान से अधिक तापमान के भंडारण होने पर वायल मोनिटिर इंडीकेटर लगाए जाते है, उसी प्रकार से अन्य दवाओं जैसे कि एंटी-रेबिज वैक्सीन, इंसुलिन और टेटनेस इत्यादि की वायल पर भी वायल मोनिटर इंडीकेटर लगाए जाने चाहिए ताकि उनका उचित तापमान पर भंडारण सुनिश्चित किया जा सकें। मंगलवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में स्वास्थ्य मंत्री विज ने बताया कि उचित भंडारण की स्थिति को बनाए रखने के लिए, फॉर्म 20-बी और फॉर्म 21-बी पर लाइसेंस रखने वाले प्रत्येक लाइसेंसधारी को रेफ्रिजरेटर में डेटा लॉगर के साथ एक डिजिटल थर्मामीटर स्थापित करने के निर्देश जारी करने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव को आदेश जारी किए हैं। आदेश में कहा गया है कि रेफ्रिजरेटर को चौबीसों घंटे चलने वाली स्थिति में बनाए रखने के लिए परिसर में उचित पावर बैकअप भी होना चाहिए। स्टेट ड्रग कंट्रोलर ने स्वास्थ्य मंत्री को अवगत कराया कि कि एंटी-रेबीज वैक्सीन, इंसुलिन, टेटनस टॉक्साइड इत्यादि जैसी दवाओं के भंडारण की स्थिति के उचित रखरखाव की जांच करने के लिए विभाग द्वारा कोल्ड स्टोरेज यानी 2 डिग्री सेंटीग्रेड से 8 डिग्री सेंटीग्रेड की आवश्यकता होती है। उन्होंने आगे बताया कि अब तक 162 केमिस्ट दुकानों का निरीक्षण किया गया है, जिनमें से 10 को सील कर दिया गया है, जिनमें रेफ्रिजरेटर बंद पाए गए हैं। इसी कड़ी में गत रात्रि में दुकानें बन्द होने के उपरान्त बन्द हो चुकी दवा की दुकानों को खुलवाकर निरीक्षण किया गया जिसमे 03 केमिस्ट की दुकानों के रेफ्रीजरेटर बंद पाए गए और इन दुकानों को सील कर दिया गया है। इन दुकानों में अक्षय मेडिकोज, जखलाना, यमुना नगर, रविन्द्र मेडिकोज, जलबेरा रोड, अम्बाला सिटी एवं निशांत मेडिकोज स्टोर, जुंडला, करनाल है।

8 एंटी-रेबिज वैक्सीन, इंसुलिन और टेटनेस इत्यादि की वायल पर भी वायल मोनिटर इंडीकेटर लगाए जाने चाहिए

इसी प्रकार मंगलवार को अल सुबह अधिकरियों द्वारा दुकानें खुलने से पहले पहुंचकर दवा की दुकानों के खुलते ही जाँच की गयी जिसमें 03 दुकानों बालाजी मेडिकोज, शाहबाद रोड, साहा, अम्बाला, ओम मेडिकोज फूसगढ़ रोड, करनाल तथा रजत फार्मा, फूसगढ़ रोड, करनाल के रेफ्रीजरेटर बन्द पाये गये और इन तीनों दुकानों को भी सील कर दिया गया है। इस तरह से अब तक 10 दवा की दुकानों के रेफ्रिजरेटर बंद पाये जाने के कारण सील किया जा चुका है।

हरियाणा के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में सांसद एवं पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री रतन लाल कटारिया का कुशलक्षेम जानते हुए।

संत धन्ना भगत जयंती को लेकर लोगों में उत्साह: सुभाष बराला

टीम एक्शन इंडिया/कैथल
हरियाणा सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो के चेयरमैन सुभाष बराला ने कहा कि संत श्री धन्ना भगत की राज्य स्तरीय जयंती मनाने के लिए लोगों में भारी उत्साह है। संतों ने समाज के सभी वर्गों के लिए सेवा करने की प्रेरणा देते हुए अनुकरणीय छाप छोड़ी है। वे मंगलवार को कैथल लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में इस विषय को लेकर बात कर रहे थे। इस मौके पर बीजेपी प्रदेश महामंत्री वेदपाल, जिलाध्यक्ष अशोक गुर्जर, मीडिया कोर्डिनेटर रणदीप घनघस आदि मौजूद रहे। चेयरमैन सुभाष बराला ने कहा कि 21 से 23 अप्रैल तक जिला के गांव धनौरी में धन्ना भगत की जयंती बड़ी धूम-धाम से मनाई जाएगी। आगामी 23 अप्रैल को भारत के उप राष्ट्रपति जगदीश धनखड़ समारोह में बतौर मुख्यातिथि शामिल होंगे तथा हरियाणा के मुक्कयमंत्री मनोहर लाल समारोह की अध्यक्षता करेंगे। उन्होंने कहा कि समारोह को सुचारू रूप से सक्वपन्न करवाने के दृष्टिगत जहां एक और पार्टी प्रबंधन पूरी व्यवस्था को कार्यरूप में परिणत करने में जुटा है, वहीं दूसरी और जिला प्रशासन के अधिकारी भी संदर्भित विषय को लेकर अपनी ड्यूटी को अमली जामा पहना रहे हैं। वर्तमान हरियाणा सरकार ऐसी पहली सरकार है जो धन्ना भगत की जयंती को राज्य स्तर पर मनाने जा रही है। 21 से 23 अप्रैल तक धन्ना जाट से लेकर संत धन्ना भगत तक के जीवन चित्र पर प्रकाश डालती हुई प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। समारोह स्थल पर आध्यात्मिक और पौराणिक परिवेश को प्रदर्शित और परिभाषित करता हवन यज्ञ भी किया जाएगा।

धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र के कण-कण में छिपा इतिहास व धरोहर: धुमन

टीम एक्शन इण्डिया/कुरुक्षेत्र (दलबीर मलिक) हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष धुमन सिंह किरमच ने कहा कि धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र के कण-कण में इतिहास, विरासत और धरोहर नजर आती है। इस गीता स्थली कुरुक्षेत्र की धरोहरों को सहेजने का काम प्रदेश और केंद्र सरकार की तरफ से बखूबी किया जा रहा है। आज पूरे विश्व में कुरुक्षेत्र अपनी एक अलग पहचान बना चुका है। इस धरा में सन्निहित सरोवर, ब्रह्मसरोवर, शेख चेहली मकबरा, ज्योतिसर तीर्थ, सरस्वती तीर्थ पिहोवा और 48 कोस की भूमि पर भी धरोहर और इतिहास नजर आते है। उपाध्यक्ष धुमन सिंह ने प्रदेश वासियों की विश्व धरोहर दिवस की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विश्व विरासत दिवस प्रतिवर्ष 18 अप्रैल को दुनिया भर में मनाया जाता है।

कन्या महाविद्यालय पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन

खरखौदा/सोमपाल सैनी
मंगलवार को खरखौदा के कन्या महाविद्यालय में वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह को कॉलेज प्राचार्या डॉ योगिता मलिक की अध्यक्षता तथा डॉ प्रमिला ,एसोसिएट प्रोफेसर ऑफ कॉमर्स के नेतृत्व में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कॉलेज प्रबंधन समिति के प्रधान वेद प्रकाश दहिया व विशिष्ट अतिथि प्रबंधन समिति के अन्य सदस्य उपप्रधान सतवीर दहिया, सचिव नीरज दहिया, उप सचिव कुलदीप दहिया ,कोषाध्यक्ष राजेंद्र गणोत्रा रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया गया इसके बाद प्राचार्य डॉ योगिता मलिक और कार्यक्रम की संयोजिका डॉ प्रमिला, डॉ दर्शना, डॉ सीमांत, डॉ नमिता ने मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों को पौधा भेंट कर उनका स्वागत किया और सचिव नीरज दहिया, डॉ सुमित, डॉ प्रदीप, डॉ विजय दीप एवं ईश्वर ने अन्य उपस्थित गणमान्य मेहमानों को पुष्पगुच्छ एवं शॉल भेंट कर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम के आरंभ में सर्वप्रथम प्राचार्या डॉक्टर योगिता मलिक जी ने महाविद्यालय की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसके बाद छात्राओं द्वारा रैंप वॉक शो प्रस्तुत किया गया जिसमें कम्युनिटी कॉलेज की छात्राओं ने स्वयं से बनाए गए परिधानों को रैंप वॉक के माध्यम से प्रदर्शित किया। इसके बाद शिक्षा के क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करने वाली स्नातक और स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को पुरस्कार और प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया। महाविद्यालय की कार्यकारिणी समिति के प्रधान वेद प्रकाश दहिया ने किरण गर्ग को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में बीकॉम में गोल्ड मेडल प्राप्त करने पर तथा अंजलि को मेरिट सूची में सिल्वर मेडल प्राप्त करने पर 5100/- 5100/- की छात्रवृत्ति प्रदान की।

G20
उत्तर रेलवे
निविदा सूचना

क्र. सं.	कार्य का नाम एवं लोकेशन	कार्य की अनुमानित लागत (रु.)	बिड सिक्यूरिटी राशि (रु.)	कार्य के पूर्ण करने की समय अवधि	निविदा प्रपत्र जमा करने तथा खुलने की दिनांक व समय
1.	25/वरिष्ठ म.वि.अभि./का./मुरा./2023 ABSS के लिए विद्युत कार्य अमृत भारत योजना के तहत मुरादाबाद मंडल के गजरौला (GJL) स्टेशन का उन्नयन।	12432489.91 (जीएसटी सहित)	212200.00	6 (छ:) माह	निविदाएं दिनांक 10.05.2023 को 15.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन 15.00 बजे खोली जायेगी।
2.	26/वरिष्ठ म.वि.अभि./का./मुरा./2023 ABSS के लिए विद्युत कार्य अमृत भारत योजना के तहत मुरादाबाद मंडल के अमरोहा (AMRO) स्टेशन का उन्नयन।	13402581.72 (जीएसटी सहित)	217000.00	6 (छ:) माह	निविदाएं दिनांक 10.05.2023 को 15.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन 15.00 बजे खोली जायेगी।

कार्यालय का पता जहाँ से निविदा प्रपत्र जारी किया गया है	विद्युत शाखा, मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय, उत्तर रेलवे,मुरादाबाद
वेबसाइट एवम् कार्यालय का पता	वेबसाइट www.ireps.gov.in मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय/उत्तर रेलवे, मुरादाबाद।

निविदा सूचना सं0: 15/2023 दिनांक: 17.04.2023
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ
1143/23

सैन्य धाम निर्माण में लाएं और तेजी, स्वरूप भव्य और दिव्य हो : धामी

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
मुख्यमंत्री ने कहा कि सैन्यधाम के निर्माण कार्यों में और तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि सैन्य धाम का स्वरूप भव्य और दिव्य होने के साथ उत्तराखंड की झलक भी दिखना चाहिए।
मंगलवार को सचिवालय में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सैन्य धाम (शौर्य स्थल) कल गठित उच्च स्तरीय समिति की बैठक ली। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि सैन्य धाम का स्वरूप भव्य एवं दिव्य हो, इसके लिए अन्य राज्यों के सैन्य धामों (शौर्य स्थलों) की जो स्टडी की गई है, उनमें से बेहतर कार्यों का समावेश सैन्य धाम में किया जाए। इसके साथ ही सैन्यधाम में उत्तराखंड की झलक दिखे। सैन्यधाम के

आसपास केदारखंड और मानसखंड की थीम पर आधारित क्या गतिविधियां हो सकती हैं, इस पर भी ध्यान दिया जाए।
सैन्यधाम निर्माण कार्य प्रगति 45 प्रतिशत -
बैठक में बताया गया कि सैन्यधाम के निर्माण की कार्य प्रगति 45 प्रतिशत तक हो चुकी है। जिसके अन्तर्गत ऑडिटोरियम, टैंक प्लेटफॉर्म, मुख्य द्वार, बाबा जसवंत सिंह और बाबा हरभजन सिंह मन्दिर, शौर्य स्तम्भ, बुकिंग काउंटर, चाहरदीवारी और म्यूजियम का कार्य प्रगति पर है।
बैठक में सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी, मुख्य सचिव डॉ.एस.एस.संधू, जी.ओ.सी उत्तराखंड सब-एरिया मेजर जनरल संजीव खत्री,मेजर जनरल सम्मी सभरवाल (से.नि) सचिव सैनिक कल्याण दीपेन्द्र चौधरी, एस.एन.पाण्डेय,जिलाधिकारी सोनिका सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बीडी सिंह बने मुख्यमंत्री के सलाहकार

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के पूर्व सीईओ बीडी सिंह को सरकार ने चारधाम यात्रा और मंदिर समिति में मुख्यमंत्री का सलाहकार नियुक्त किया है।
शासन से सचिव संस्कृति एवं धर्मस्व हरिचंद सेमवाल की ओर से यह आदेश जारी किया गया है।
बीती 20 मार्च 2023 को जारी आदेश में बताया गया कि मंदिर समिति में उनके पूर्व अनुभवों के देखते हुए उन्हें चारधाम यात्रा एवं बीकेटीसी में सीएम का सलाहकार के रूप में को-टर्मिनस के आधार पर नियुक्त किया गया है।

खेल मंत्री ने स्टेडियम का किया निरीक्षण

-मंत्री ने खेल विश्वविद्यालय में आ रही दिक्कतों को दूर करने के दिए निर्देश

देहरादून/हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया
खेल मंत्री ने आज हल्द्वानी स्थित इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों को तय समय सीमा के अंतर्गत पूरा करने के निर्देश देते हुए कहा कि लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।
खेल मंत्री रेखा आर्या ने स्टेडियम के समीप प्रस्तावित खेल यूनिवर्सिटी की भूमि का भी निरीक्षण किया। इस दौरान यूनिवर्सिटी के निर्माण में आ रही संबंधित दिक्कतों को दूर करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।
इस मौके पर खेल मंत्री आर्या ने कहा कि यदि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही सामने आती है तो संबंधित के खिलाफ सख्त का की जाएगी।
क्रिकेट स्टेडियम के निरीक्षण के दौरान अधिकारियों द्वारा बताया गया कि स्टेडियम में 80 प्रतिशत

काम पूरा हो चुका है। शेष कार्य प्रगति पर हैं। फंडिंग की आवश्यकता है जिसके लिए मांग की गई है। जल्द ही अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम का हैंड वर्क पूरा हो जाएगा।खेल मंत्री ने कहा कि प्रदेश में हल्द्वानी में खेल विश्वविद्यालय बनाया जाना है। इसके लिए स्पोर्ट्स स्टेडियम के पास ही जमीन की तलाश की गई है। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य में आ रही व्यावहारिक दिक्कतों को दूर करने के निर्देश दिए।
यूनिवर्सिटी के बन जाने से आगामी समय में हमारे राज्य के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अवसर मिलेंगे।
इस मौके पर सहायक निदेशक खेल सुरेश चंद्र पांडेय, जिला क्रीड़ा अधिकारी रशिका सिद्धकी,उप क्रीड़ा अधिकारी जुबैद अहमद सहित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

21 से शुरू होगा रिवर्स पलायन संवाद अभियान

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
देहरादून राज्य स्तरीय रिवर्स पलायन अभियान और दून योग महोत्सव 21 से 23 अप्रैल को चलाया जायेगा। पलायन को लेकर डा. माधुरी बड़थ्वाल ने कहा लोक नृत्य, गायन, संगीत पर भी पलायन का असर है। अब धीरे धीरे लोग लोक संस्कृति को बचाने के लिए अब आगे आने लगे हैं। डा. बड़थ्वाल ने कहा कि हमको अपनी संस्कृति को बचाना है। हमारे लोकगीतों में भी संदेश हैं। ननद भाभी के गीत हों, चल नन्दा सुशीला पल्या छाला जयोला,पल्या छाला नि जांण हे बौजी,गदना आयूं च,ऐसे गीत हमारी लोक संस्कृति में हैं। इस

अवसर पर आध्यात्मिक गुरु बिपिन जोशी ने कहा हमारी देवभूमि महान है,यहां आकर लोगों ने संतों ने बडा.नाम कमाया है।अभियान के प्रथम चरण में पर्यटन गांव तिवाड़ गांव टिहरी में इसका आयोजन किया गया। चार चरणों में इसका आयोजन किया जा रहा है।चतुर्थ चरण कुमायूं मन्डल के सभी जिलों में चलेगा। इस दौरान उत्तराखंडी संस्कृति,संस्कारों,रीति रिवाजों,खान पान,गढ़वाली भाषा,वेष भूषा,और अपनी संस्कृति से सभी को जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

भगवान परशुराम जयंती 23 अप्रैल को

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
वैदिक ब्राह्मण सभा 23 अप्रैल को भगवान परशुराम जयंती धूमधाम से जाएगी। इस अवसर पर वार्षिक पत्रिका वैदिक विशेषांक स्मारिका का विमोचन भी किया जाएगा।
मंगलवार को प्रेस क्लब में हुई पत्रकार वार्ता में वैदिक ब्राह्मण सभा ने बताया गया कि परशुराम जयंती पिछले 50 वर्षों की भांति ही इस वर्ष से भी धूमधाम से मनायी जाएगी। शोभायात्रा 21 अप्रैल को सायं 4 बजे से भगवान परशुराम मंन्दिर परशुराम मार्ग प्रकाश नगर से निकाली जाएगी। शोभा यात्रा तिलक रोड़ ,खुड़बुडा,चकराता रोड विन्दाल पुल होते हुए पलटन बाजार घंटाघर पहुंचकर पुनः परशुराम मन्दिर पहुंचेगी।

सड़क दुर्घटनाओं का कारण लापरवाही और गति : परिवहन मंत्री

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
प्रदेश के समाज कल्याण और परिवहन मंत्री ने केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से भेंट की।
समाज कल्याण और परिवहन मंत्री ने ने सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के परिवहन मंत्रियों और परिवहन सचिवों की बैठक में उत्तराखंड राज्य का प्रतिनिधित्व किया।
बैठक में मुख्यतः मोटर वाहनों की गति सीमा की समीक्षा के लिए गठित समिति की सिफारिशों, वाहन फिटनेस परीक्षण अवसंरचना , इलेक्ट्रिक वाहनों के वित्तपोषण और लर्निंग लाइसेंस के स्वचालन आदि बिन्दुओं पर गहन चर्चा की

गयी।मंगलवार को जानकारी देते हुए परिवहन मंत्री के प्रवक्ता ने बताया कि मंत्री चन्दन राम दास ने बैठक में अवगत कराया कि पिछली दुर्घटनाओं के परीक्षण पर चालकों की लापरवाही, अनियंत्रित गति सीमा ही मुख्यतः सड़क दुर्घटनाओं के लिए जिम्मेदार है। चारधाम यात्रा में तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए उत्तराखंड में वाहनों के लिए ग्रीन कार्ड जारी कर दिये गये हैं। वाहनों की गति सीमा नियंत्रण के लिए स्पीड गवर्नर अनिवार्य कर दिये गये हैं।अभी तक1,10,592 वाहनों में स्पीड गवर्नर लगा दिये गये हैं। उसके अलावा रियल टाइम मॉनिटरिंग को राज्य में 42993 सार्वजनिक सेवा वाले एटीएस 140 मानक यन्त्र स्थापित कर दिये गये हैं। अतिसंवेदनशील 10 स्थानों पर एएनपीआर कैमरे भी स्थापित कर दिये गये हैं। मंत्री ने यह आश्वासन दिया गया कि राज्य सरकार दुर्घटनाओं की रोक के लिए केन्द्र सरकार के जारी दिशा-निदेशों और मानकों के क्रियान्वयन को दृढ़ संकल्पित है। बैठक में सभी राज्यों के परिवहन मंत्री और सचिव ने प्रतिभाग किया।

न्यूज फ्लैश

डीआईटी विवि में वाद विवाद प्रतियोगिता आयोजित

देहरादून। डीआईटी विश्वविद्यालय की डिबेटिंग सोसाइटी की 5 वीं वर्षगांठ पर छात्रों की समझ और निजीकरण की चेतना को बढ़ाने के लक्ष्य से क्लैश ऑफ सर्टिट्यूड वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमे महादेवी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी प्रथम स्थान पर रहा। जी-20 आंदोलन एवं वाई-20 शिखर सम्मेलन के प्रायोजन के तहत डीआईटी विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में दून विश्वविद्यालय, लॉ कॉलेज देहरादून, कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग रुड़की और कई अन्य सहित देहरादून और रुड़की शहर और उसके आसपास के कई कॉलेज आए। महादेवी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी सभी में विजयी होकर प्रथम स्थान पर रहा, लॉ कॉलेज उपविजेता रहा। आईएमएस यूनिसन दूसरे रनर-अप की स्थिति पर कायम है। फैकल्टी सलाहकार संतोष सिंह की देखरेख और संयोजक काकुली झा (अध्यक्ष, डिबेटिंग सोसाइटी) और वसुंधरा भाटिया (गवर्नर), डॉ. दीपेश कुमार ठाकुर, मानविकी स्कूल में सहायक प्रोफेसरय राम कुमार गुप्ता, और डॉ पंकज कुमार वर्मा। सभी उपस्थित लोगों ने इस पूरे आयोजन की सराहना की। इस घटना को वक्तृत्व और रचना का इष्टतम समामेलन माना गया।

सोनी ने ब्राविया एक्स80एल टेलीविजन सीरीज की लॉन्च

देहरादून। सोनी इंडिया ने शानदार पिक्चर क्वालिटी और शानदार साउंड के साथ ब्राविया एक्स80एल टेलीविजन सीरीज लॉन्च की। नई एक्स80एल श्रृंखला दृश्यता और ध्वनि को अगले स्तर तक ले जाती है और गूगल टीवी के साथ मनोरंजन की दुनिया पेश करती है, जिसे हमारी तस्वीर और ध्वनि प्रौद्योगिकी के यथार्थवाद द्वारा आकर्षक रंग में जीवंत किया गया है। सोनी की नई टीवी सीरीज एक्स80एल सीरीज के लिए 215 सेमी (85), 126 सेमी (50) और 108 सेमी (43) में उपलब्ध है। सोनी एक्स80एल में एक्स1 4के एचडीआर पिक्चर प्रोसेसर शामिल है, जो ऑब्जेक्ट-आधारित एचडीआर रीमास्टर के साथ देखने का शानदार अनुभव प्रदान करता है, ऑन-स्क्रीन अलग-अलग वस्तुओं में रंग का विश्लेषण होता है और कंट्रास्ट समायोजित होता है, जबकि अधिकांश टीवी में कंट्रास्ट केवल ब्लैक-टू-ब्लैक कंट्रास्ट कर्व के साथ समायोजित होता है। चूंकि ऑब्जेक्ट्स को अलग-अलग रीमास्टर किया जाता है।

डीएम ने बदरीनाथ पहुंचकर लिया चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं का जायजा

8 -बदरीनाथ धाम में मास्टर प्लान के पुनर्निर्माण कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
जिलाधिकारी ने मंगलवार को बदरीनाथ धाम पहुंच चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बदरीनाथ मास्टर प्लान के अन्तर्गत संचालित पुनर्निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण भी किया।
जिलाधिकारी चमोली हिमांशु खुराना ने निर्देशित किया कि चारधाम यात्रा शुरू होने से पहले टोकन काउंटर, क्यू मैनेजमेंट

सिस्टम, वेटिंग रूम, शूज स्टैंड और मंदिर परिसर तक जाने वाले आंतरिक मार्गों को दुरुस्त करते हुए मार्ग के किनारे रेलिंग और साइनेज लगायी जाए। विद्युत, पेयजल, शौचालय सहित अन्य सभी मूलभूत व्यवस्थाओं को सुचारु करें। मंदिर परिसर के आसपास निर्माण कार्यों के मलबा को साफ किया जाए। ताकि चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो। इस दौरान जिलाधिकारी ने मास्टर प्लान में विस्थापित दुकानदारों के लिए नवनिर्मित दुकानों का निरीक्षण भी किया। श्रद्धालुओं के लिए बदरीनाथ मंदिर में प्रवेश और बाहर जाने के लिए अलग से व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए धाम में क्यू मैनेजमेंट, पूजा अर्चना के लिए टोकन सिस्टम के साथ-साथ पूछताछ केन्द्र स्थापित किया गया है। जिला प्रशासन की ओर से चारधाम यात्रा की सभी तैयारियां सुनिश्चित की जा रही है। बदरीनाथ में मास्टर प्लान के तहत संचालित कार्यों का निरीक्षण करते हुए जिलाधिकारी ने निर्माणदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि पर्याप्त संख्या में मशीनें एवं अन्य रिसोर्स लगाते हुए निर्माण कार्यो को तेजी से पूरा करें। चारधाम यात्रा के दृष्टिगत जो काम आवश्यक है, उसको प्राथमिकता से पूरा किया जाए।
इस दौरान उप जिलाधिकारी कुमकुम जोशी, पीआईयू के अधिशासी अभियंता विपुल सैनी, आईएनआई के प्रोजेक्ट मैनेजर राजेश कुमार, गावर कन्स्ट्रक्शन लि.के प्रोजेक्ट मैनेजर विनीत चौधरी, नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी सुनील पुरोहित आदि मौजूद थे।
गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट के तहत ब्रदीनाथ धाम में मास्टर प्लान के अन्तर्गत तीन चरणों में बुनियादी ढांचे का विकास किया जा रहा है। इसमें पहले चरण के कुछ कार्य लगभग पूरे कर लिए गए हैं।

वाहन दुर्घटनाग्रस्त, चालक की मौत

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
चमोली जिले के जोशीमठ मलारी मोटर मार्ग पर रिंगी के समीप एक अल्टोकार अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी जिससे वाहन चालक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई है। दुर्घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय लोगों के साथ ही प्रशासन की टीम ने मौके पर पहुंचकर शव को बाहर निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय गोपेश्वर भेज दिया है।
मंगलवार को सुभाई गांव निवासी 57 वर्षीय नत्था सिंह अपनी अल्टो कार से जोशीमठ की ओर आ रहे थे कि अचानक रिंगी के समीप उनकी कार अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी।

सस्टेनेबल मोड ऑफ ट्रांसपोर्टेशन की शुरूआत कर यात्रा के भविष्य को बदल रहा है न्यूगो

टीम एक्शन इंडिया/देहरादून।
न्यूगो भारत का पहला इंटर-सिटी इलेक्ट्रिक बस ब्रॉड है। न्यूगो भारत में कार्बन फुटप्रिंट को कम करने और पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की घोषणा करते हुए गर्व महूसस कर रहा है। वर्तमान में कंपनी की 80 बसें रोज सड़कों पर चल रही हैं और जल्दी ही यह संख्या 170 होने वाली है। अपनी इस घोषणा के साथ न्यूगो भारत के परिवाहन उद्योग में क्रांति ला रहा है। ब्रांड का सस्टेनेबिलिटी पर विशेष फोकस है और यह इस बात से साबित होता है कि बस की टेलपाइप से किसी भी प्रकार की गैस का उत्सर्जन नहीं होता है । इस कारण से न्यूगो की इलेक्ट्रिक बसें ट्रिप्स के लिए इको-फ्रेंडली हैं और एक जागरूक विकल्प के रूप में स्थापित होती हैं। न्यूगो को चुनकर यात्री वायु प्रदूषण को कम करने में मदद करते हैं साथ ही अपनी सेहत को बेहतर बनाने में योगदान करते हैं और आने वाली पीढ़ी के लिए भारत के शहरों की सुंदरता को संरक्षित भी करते हैं।न्यूगो बसें पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ.साथ आधुनिक सुविधाओं से भी सुसज्जित हैं। जिस कारण यात्रा बेहद आरामदायक और सुखद हो जाती है। न्यूगो टीम का मानना है कि यात्रा न केवल सुविधाजनक होनी चाहिए बल्कि सुरक्षित और आरामदायक भी होनी चाहिए। न्यूगो में यात्रा करने के लिए यात्री ऑनलाइन टिकिट बुक करावा सकते हैं या फिर एप स्टोर या प्ले स्टोर से एप डाउनलोड कर अपनी बस टिकट बुक करा सकतें हैं,न्यूगो की बस सर्विस दिल्ली,चंडीगढ़,देहरादून,आगरा,जयपुर,इंदौर,भोपाल, हैदराबाद,विजयवाड़ा,बैंगलोर और तिरुपति जैसे शहरों में उपलब्ध है।

जी-20 सम्मेलन : ऋषिकेश में निर्माण कार्यों का शहरी विकास मंत्री ने किया स्थलीय निरीक्षण

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
क्षेत्रीय विधायक और कैबिनेट मंत्री ने जी-20 सम्मेलन के तहत किए जा रहे हार्ट मिक्स सड़क निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मौके से ही लोक निर्माण विभाग के अधिकारी को दूरभाष पर गुणवत्ता का विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए।
मंगलवार को मंत्री डॉ. डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने आईडीपीएल से कोयल घाटी तक जी-20 सम्मेलन के अंतर्गत किए जा रहे हॉट मिक्स सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान मंत्री डॉ अग्रवाल ने सड़क की गुणवत्ता भी जांची। मंत्री डॉ. अग्रवाल असंतुष्ट नजर आये। उन्होंने मौके से ही अपर सहायक अभियंता उपेंद्र गोयल से हॉट मिक्स सड़क निर्माण कार्य की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि करीब साढ़े पांच किलोमीटर लंबी इस सड़क का निर्माण दो करोड़ बीस लाख रुपये की लागत से जी-20 सम्मेलन के तहत की जा रही है। डॉ. अग्रवाल ने दूरभाष पर निर्देशित करते हुए कहा कि सड़क निर्माण कार्य में गुणवत्ता का विशेष ख्याल रखा जाए, उन्होंने कहा कि सरकार विकास कार्यों के लिए प्रतिबद्ध है। लिहाजा इसमें अधिकारी भी सहयोग करें। उन्होंने निर्देशित कर कहा कि मौके पर सड़क निर्माण कार्य की मॉनिटरिंग भी की जाए, जिससे कार्य गुणवत्ता के साथ समय पर पूर्ण हो सके और आवागमन के दौरान किसी भी नागरिक को परेशानी न झेलनी पड़े।

वन मंत्री ने जी-20 सम्मेलन के कामों की समीक्षा की, गुणवत्ता पर फोकस करने के दिए निर्देश

नई टिहरी/टीम एक्शन इंडिया
प्रदेश के वन और तकनीकी शिक्षा मंत्री की अध्यक्षता में तहसील सभागार नरेंद्र नगर में जी-20 सम्मेलन की तैयारियों के संबंध में बैठक हुई। इसमें कैबिनेट मंत्री ने क्रमवार संबंधित विभागों के किए जा रहे कार्यों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।
मंत्री सुबोध उनियाल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जी-20 सम्मेलन के अंतर्गत लंबे समय तक चलने वाले कार्य करें और कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए समय सीमा के भीतर कार्यों को पूर्ण करना सुनिश्चित करें। जनपद में होने वाली जी-20 की बैठकों के जरिए हम प्रदेश ही नहीं देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। इसलिए सभी तैयारियों को सुनियोजित तरीके से पूर्ण कर लें, ताकि देश दुनिया में एक अच्छा संदेश

जाए।बैठक में डीएम डा. सौरभ गहरवार ने बताया कि जी-20 सम्मेलन के अंतर्गत अधिकतर कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं, शेष कार्य भी जल्द ही पूर्ण कर लिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि सभी विभागों के कार्यों को पूर्ण करने के लिए समय सीमा निर्धारित कर स्टेप बाई स्टेप कार्य किए जा रहे हैं। सभी कार्यों की निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है।
सीडीओ मनीष कुमार ने जी-20 बैठकों के तहत होने वाले कार्यक्रमों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। लोक निर्माण विभाग के इंजीनियरों ने बताया कि जी-20 के तहत चिन्हित सड़कों का अंधे मोड़ पर कटिंग का कार्य किया गया है। भूस्खलन क्षेत्र में प्रॉपर ट्रीटमेंट का कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही मुनि की रेती में जानकी सेतु पार्किंग में कार्य किए जा रहे हैं। सभी कार्यों को 15 मई तक पूर्ण कर लिया जाएगा।
सिंचाई विभाग के बताया कि घाट पर 40 प्रतिशत काम पूर्ण हो चुका है। मई के प्रथम सप्ताह तक कार्य पूरे कर लिए जायेंगे। पीडब्ल्यूडी तिराहे, जानकी सेतु व वसुंधरा पर ड्रेनेज का कार्य किया जा रहा है। ओणीं गांव में विद्युत लाइन का कार्य किया जा रहा है, 32 विद्युत पोल लग चुके हैं, दो ट्रांसफार्मर लगाए जाने हैं। रोड साइड के छोटे विद्युत पोलों को हटाकर बड़े पोल लगाए जा रहे हैं, ताकि विद्युत लाइनें ऊपर की जा सकें। इसके साथ ही 33 केवी विद्युत लाइन का निर्माण कार्य चल रहा है। मधुबन मंदिर से जानकी सेतु पार्किंग तक भारत आट्र्स, भद्रकाली से खारास्रोत तक हॉट पेंटिंग और खारास्रोत से मधुबन तक पुताई का कार्य किया जा रहा है।जी-20 की तैयारियों के तहत ओणीं गांव में पंचायत भवन, आंगनबाड़ी, राजकीय प्राथमिक विद्यालय में मरम्मत कार्य एवं सौन्दर्यीकरण के अलावा स्कूल में कंप्यूटर लैब, ई-लाइब्रेरी, आंतरिक रास्तों का सौंदर्यीकरण, पूरे गांव में पेंटिंग कार्य, सार्वजनिक शौचालय, सीसी मार्ग, रेलिंग, मिल्क कलेक्शन सेंटर, कन्वर्जन में बायोगैस, मुर्गी बाड़ा, पशु बाड़ा, सिंचाई टैंक, सेल्फी प्वाइंट, मंदिर सौंदर्यीकरण आदि कार्य किए जा रहे हैं। इनमें 70 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है।
बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष सोना सजवान, विधायक प्रतापनगर विक्रम सिंह नेगी, विधायक देवप्रयाग विनोद कंडारी, विधायक घनसाली शक्तिलाल शाह, नगर पालिका अध्यक्ष नरेंद्र नगर राजेंद्र बिक्रम सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष मुनिकीरेती रोशन रतूड़ी, ब्लॉक प्रमुख नरेंद्र नगर राजेंद्र सिंह भंडारी, टिहरी विधायक प्रतिनिधि विनोद रतूड़ी, एसडीएम नरेन्द्र नगर देवेन्द्र सिंह नेगी आदि मौजूद रहे।

संपादकीय

अब गरुड़ बन गई है सीबीआई

किसी भी संस्था की षष्टिपूर्ति मायने रखती है। भारत ही एक ऐसा देश है, जहां साठ साल के व्यक्ति को जवान माना जाता है। साठा पर पाठा कहने की परंपरा रही है। संस्थाओं पर भी कमोवेश यही बात लागू होती है। किसी संस्था के साठ साल पूरे करना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की स्थापना के हाल ही में साठ साल पूरे हो गए हैं। उसकी स्थापना 01 अप्रैल, 1963 को केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से एक संकल्प के जरिये की गई थी। भ्रष्टाचार के उन्मूलन और सत्यनिष्ठा की स्थापना के लिए लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के संकल्प से दिल्ली स्पेशल पुलिस इस्टेब्लिशमेंट एक्ट, 1946 पारित हुआ था। सन 1962 में लाल बहादुर शास्त्री ने प्रशासन में भ्रष्टाचार की बढ़ती घटनाओं से निपटने और सुझाव देने के लिए संथानम कमेटी बनाई थी। कमेटी की संस्तुतियों पर अमल करते हुए भारत सरकार ने एक अप्रैल 1963 को प्रस्ताव द्वारा केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो यानी सीबीआई की स्थापना की थी। 1963 से लेकर अब तक सीबीआई लोगों की सेवा कर रही है। श्रीनगर से तिरुअनंतपुरम और गांधीनगर से ईटानगर तक देश के 36 शहरों में इसके अपने कार्यालय हैं। सीबीआई ने वांछित भगोड़ों की भारत वापसी के लिए ऑपरेशन त्रिशूल , ड्रग्स संबंधी सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए आपरेशन गरुड़ , साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए आपरेशन चक्र , बाल यौन शोषण को रोकने के लिए आपरेशन मेघ चक्र लॉन्च कर रखा है। देश के प्रथम सीबीआई निदेशक डी.पी.कोहली ने अपने अधिकारियों से कहा था कि जनता आपसे कार्यकुशलता और सत्य निष्ठा में उच्चतम स्तर की अपेक्षा करती है। इस विश्वास को बनाए रखना है। कहना न होगा कि सीबीआई आज भी उन अपेक्षाओं पर खुद को खरा साबित करने के लिए जी-तोड़ मेहनत करती है। चाहे एलएन मिश्रा हत्याकांड, राजीव गांधी हत्याकांड, मुंबई बम विस्फोट मामला रहा हो या फिर पुरुलिया में हथियार गिराने का मामला, उनका रहस्योद्घाटन सीबीआई ने जिस खूबी और पारदर्शिता से किया, उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए, कम है। पश्चिम बंगाल के शारदा चिट फंड घोटाले, कोयला घोटाले, आईसी-813 हाइजैकिंग केस, बिहार के सृजन घोटाले, प्रियदर्शनी मट्टू मर्डर केस, बिहार के चारा घोटाले , कॉमनवेल्थ गेम्स घोटाले, टेलीकॉम घोटाले, हर्षद मेहता केस, स्टांप पेपर घोटाले, सत्यम घोटाले, कैट स्कैम केस,को-आपरेटिव ग्रुप हाउसिंग स्कैम, शोपियां दुष्कर्म और हत्या मामला, बेंगलुरु हत्याकांड, असम सीरियल ब्लास्ट मामले, कोठखाई दुष्कर्म हत्या केस , यश बैंक-डीएचएफएल लोन धोखाधड़ी केस, एनएसई को-लोकेशन स्कैम की जांच और उसे अंजाम तक पहुंचाने की अनेक उपलब्धियां उसके नाम हैं। वह अपराधियों और राजनीतिज्ञों दोनों के आंखों की किरकिरी बनी रहती है लेकिन जनता का भरोसा जीतने में वह कभी पीछे नहीं रही। यह और बात है कि उस पर केंद्र सरकार के इशारे पर काम करने के भी आरोप लगे। डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्ववाली संप्रग सरकार में तो देश की शीर्ष अदालत ने उसे सरकारी तोता तक कह दिया था लेकिन इसके बावजूद सीबीआई ने अपने दायित्वों से समझौता नहीं किया। जब जहां, जैसा मौका मिला, उसने अपनी जांच प्रक्रिया को न केवल गति दी बल्कि अपराधियों को जेल के सलाखों के पीछे भेजने में भी बड़ी भूमिका का निर्वाह किया।

पाठ्यक्रम में बदलाव पर बेवजह राजनीति

राजेश माहेश्वरी

> पिछले कुछ सालों में एनसीईआरटी ने अपने सिलेबस की विषय-वस्तु और सिद्धांत में कई बदलाव किए हैं, हालांकि इतिहास से कुछ अध्यायों को हटाने के लिए कई बार इसकी आलोचना भी हुई है. हालांकि, यह पहली बार नहीं है कि सिलेबस में बदलाव किया गया है। सीबीएसई कई राज्य बोर्डों के साथ अपने पाठ्यक्रम में कक्षा 1 से 12 के लिए एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों का अनुसरण कर रहा है। इसके अलावा छात्र कई प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे आईआईटी, एनईईटी, यूपीएससी आदि के लिए इन किताबों पर भरोसा करते हैं। एनसीईआरटी के अनुसार, सिलेबस में जो बदलाव हुआ है वह देश भर के उन सभी स्कूलों पर लागू होगा जहां एनसीईआरटी की किताबें पढ़ाई जा रही हैं। सीबीएसई और उत्तर प्रदेश बोर्ड सहित कई अन्य बोर्ड एनसीईआरटी की किताबों को मान्यता देता हैं

विद्यालयी पाठ्यक्रम से मुगलों का इतिहास हटाने को लेकर बहस रूकने का नाम नहीं ले रही। पाठ्यक्रम में बदलाव के निर्णय के बाद सरकार विपक्ष के निशाने पर है। विपक्ष का आरोप है कि बीजेपीनीत एनडीए सरकार इतिहास बदलने की कोशिश कर रही है। इस पर राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद यानी एनसीईआरटी की तरफ से सफाई भी सामने आई, जिसमें कहा गया कि पढ़ाई के बोझ को कम करने के लिए मुगलों के चैप्टर हटाने का निर्णय लिया गया है। हालांकि ये पहली बार नहीं है जब मुगलों से जुड़ी किसी चीज को बदला या फिर हटाया गया हो। इससे पहले भी देश और खासतौर पर उत्तर प्रदेश में मुगलकाल की कई सड़कों और जगहों के नाम बदले जा चुके हैं।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद यानी एनसीईआरटी 12वीं क्लास की किताबों से कुछ चैप्टर हटाए गए हैं, जिनमें थीम्स ऑफ इंडियन हिस्ट्री 2 के चैप्टर किंग्स एंड क्रॉनिकल्सः द मुगल कोर्ट को हटाया गया है। राजनीति शास्त्र से भी कुछ चैप्टर हटाए गए हैं। जिसमें कांग्रेस शासनकाल पर आधारित एरा ऑफ वन पार्टी डॉमिनेंस शामिल है। इसके अलावा 11वीं के सिलेबस से भी कुछ हिस्से हटाए गए हैं। जिसमें सेंट्रल इस्लामिक लैंड और कन्फ्रंटेशन ऑफ कल्चर्स जैसे चैप्टर शामिल हैं। इसमें मुगलों का इतिहास बताया गया था, जिसे पिछले कई सालों से स्कूलों में पढ़ाया जा रहा था। जैसे ही ये खबर सामने आई तो राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई

इस पूरे विवाद के बीच सरकार ने कहा है कि एनसीईआरटी ने पाठयक्रम में बदलाव के लिए 25 बाहरी विशेषज्ञों से परामर्श लिया है। 18 जुलाई, 2022 को लोकसभा में दिए गए जवाब से पता चलता है कि एनसीईआरटी के सात सब्जेक्ट डिपार्टमेंट द्वारा दो से पांच की संख्या वाले एक्सपर्ट ग्रुप्स को नियुक्त किया गया था। किताबों में बदलाव के लिए एनसीईआरटी के खुद के एक्सपर्ट्स भी लगे हुए थे। एनसीईआरटी की किताबों से हटाए गए टॉपिक्स को लेकर लगातार विपक्ष सवाल उठा रहा है। सिर्फ इतना ही नहीं, बल्कि स्कॉलर्स ने भी इस पर सवाल किया है। पाठ्यक्रम में बदलाव का असर यह होगा कि अब पाठ्य पुस्तकों में मुगल साम्राज्य और उसके बादशाहों-बाबर, अकबर, शाहजहां, औरंगजेब आदि-का इतिहास नहीं पढ़ाया जाएगा। महात्मा गांधी की हत्या के बाद आर.एस.एस. सरीखे कथित सांप्रदायिक संगठनों पर पाबंदी लगाई गई थी। आरएसएस गांधी को पसंद नहीं करता था, क्योंकि गांधी देश में हिंदू-मुस्लिम एकता के पैरोकार थे। कुछ हिंदूवादी और उग्र संगठन भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने पर आमादा थे, लिहाजा गांधी की हत्या के कई प्रयास किए गए। पाठ्यक्रम से इसे हटा दिया गया है, क्योंकि संघ पर पाबंदी तात्कालिक थी और तत्कालीन गृहमंत्री सरदार पटेल ने ही उस पाबंदी को हटाया था। उस दौरान के पत्रों को पढना चाहिए कि आखिर सच क्या था? बहरहाल 1975-77 के आपातकाल के दौरान इंदिरा गांधी सरकार ने संवैधानिक शक्तियों का जमकर दुरुपयोग किया। न्यायपालिका और प्रेस को कुचलने के प्रयास किए गए। विपक्षी नेताओं और पत्रकारों को जेलों में ठूंस दिया गया। विशेषज्ञों ने इस अध्याय को क्यों हटा दिया, यह हमारी समझ के परे है। भारत में लोकतंत्र की मजबूती का आकलन करना है, तो आपातकाल को पढना और जानना, कमोबेश नई, युवा पीढ़ी के लिए, बेहद प्रासंगिक है। देश का प्रधानमंत्री भी चुनाव हार सकता है और जनता पार्टी सरकार के रूप में एकीकृत, संगठित विपक्ष की पूर्ण बहुमत वाली सत्ता भी स्थापित हो सकती है, ये आपातकाल के जुल्मों के फलितार्थ ही हैं। उन्हें क्यों न पढ़ाया जाना चाहिए? गुजरात के गोधरा में हिंदू कारसेवकों को जिंदा जला दिया गया और फिर 2002 के सांप्रदायिक दंगे भडके। ऐसे कमोबेश सैकड़ों दंगे भारत की जमीं पर भडके और फैले हैं, बल्कि गोधरा से भी बर्बर और वीभत्स दंगों का साक्षी यह देश रहा है, पाठ्य पुस्तकों में किन दंगों को पढ़ाएंगे और किन्हें हटाएंगे, यह चयन करना असंभव है, लिहाजा गोधरा दंगों को हटाना विवेकपूर्ण निर्णय है। नफरती दंगों को छात्रों को पढ़ाने से कौन-सी विद्वत्ता और कौन-सा ज्ञान हासिल होगा? हिंदी की पुस्तक से महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की कविता को हटाना हमें भी पीडित कर गया, लेकिन साहित्यिक विश्लेषण हमें स्पष्ट बताता है कि निराला के बाद करीब आठ दशकों की हिंदी कविता रची गई है। मूर्धन्य, समकालीन, प्रासंगिक कवियों की भरमार है, जो प्रसाद, निराला, पंत, महादेवी आदि छायावादी कवियों से कमतर नहीं हैं। कविता का बहुत विस्तार हुआ है। छात्र उन कवियों और लेखकों की रचनाएं क्यों न पढ़ें? साहित्यिक विकास पर छाती पीटना महज प्रलाप है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की स्थापना एक स्वायत्त संस्था के तौर पर 1961 में की गई थी। भारत में स्कूली शिक्षा के गुणात्मक सुधार में सहायता करने के लिए मुख्य रूप से इसकी स्थापना की गई.ऐसा कहा जाता है कि इसने राष्ट्र-निर्माण और देश भर में नैरेटिव और विचारों को स्थापित करने में भी अहम भूमिका निभाई है।

पिछले कुछ सालों में एनसीईआरटी ने अपने सिलेबस की विषय-वस्तु और सिद्धांत में कई बदलाव किए हैं, हालांकि इतिहास से कुछ अध्यायों को हटाने के लिए कई बार इसकी आलोचना भी हुई है. हालांकि, यह पहली बार नहीं है कि सिलेबस में बदलाव किया गया है। सीबीएसई कई राज्य बोर्डों के साथ अपने पाठ्यक्रम में कक्षा 1 से 12 के लिए एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों का अनुसरण कर रहा है। इसके अलावा छात्र कई प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे आईआईटी, एनईईटी, यूपीएससी आदि के लिए इन किताबों पर भरोसा करते हैं। एनसीईआरटी के अनुसार, सिलेबस में जो बदलाव हुआ है वह देश भर के उन सभी स्कूलों पर लागू होगा जहां एनसीईआरटी की किताबें पढ़ाई जा रही हैं। सीबीएसई और उत्तर प्रदेश बोर्ड सहित कई अन्य बोर्ड एनसीईआरटी की किताबों को मान्यता देता हैं। ये बदलाव चालू शैक्षणिक सत्र से लागू किए जाएंगे। इससे पहले भी एनडीए सरकार ने सिलेबस बदलने की कोशिश की थी, जिसे उसने पहले के प्रभाव को हटाने वाला करार दिया था। 2005 में एनसीईआरटी सिलेबस में बड़े बदलाव हुए और राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा (2005) पेश की गई। इसके तहत कांग्रेस सरकार ने पिछली बीजेपी सरकार द्वारा किए गए बदलावों को पूर्ववत करने की कोशिश की। 2017 में एनसीईआरटी ने 182 पाठ्यपुस्तकों और टॉपिक्स को अपडेट किया जो वर्तमान सरकार की नीतियों से मेल खाता है। विवाद और बहस के बीच एनसीईआरटी के निदेशक ने स्पष्ट किया है कि ये बात बिल्कुल झूठ है कि इतिहास को बदला जा रहा है। कोरोनाकाल के दौरान से सिलेबस कम करने की कोशिश शुरू हुई थी, जिसके तहत ये किया गया है। मुगलों का इतिहास सिलेबस से नहीं हटाया गया है, जिन चीजों का रिपीटिशन हो रहा था उन्हें हटाया गया है। बावजूद इस मुद्दे पर राजनीति जारी है। हमें आजादी मिले 75 साल हो चुके हैं। आज भारत परमाणु-शक्ति वाला देश है, औद्योगिक और प्रौद्योगिकी सम्पन्न देशा है, विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। दुनिया का सबसे बड़ा, सकारात्मक और सार्थक बाजार वाला देश है। हम हथियार से विमान तक खुद बनाते हैं। साफ्टवेयर में दुनिया का सबसे ताकतवर देश है। फिर भी हम स्वतंत्रता से पहले के पूर्वाग्रही इतिहास को कब तक अपने छात्रों को पढ़ाते रहेंगे? इतिहास से खिलवाड़ नहीं किया जा रहा, बल्कि नए तथ्यों को जोडने के प्रयास किए जा रहे हैं। किसी भी परिवर्तन पर हो-हल्ला मचाने की बजाय हमें उस परिवर्तन की सच्चाई को समझना श्रेयस्कर रहता है। लेकिन राजनीतिक दलों की राजनीति ही करनी है तो उसका इलाज किसी के पास नहीं है।

-लेखक राज्य मुख्यालय पर मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।

कविता

आपके जादुई हाथों का हुनर

अपने जादूई हाथों में ये हुनर रखना,
दिल का दरिया मिले उसे समंदर करना।

खताओं को मेरी माफ करना,
दुआओं से अपनी मुझे सिकंदर करना।

बहुत टूटा है तड़पता है दिल तुम्हारे लिए,
रहम से अपनी मुझे तरबतर करना।

चीर के देख लो दिल आप ही आप हैं,
बेवफाई मिले तो दिल से बाहर करना ।

करिश्माई वजूद, रूहानी एहसास है आपका,
मुझे भी खुदा की खिदमत में नजर करना ।

दूर-दूर अजनबी यों से क्यों बैठे हो,
जिस न सही रूप मेरी नजर करना।

फूल दे आये थे जिन हाथों में हम,
शुरू किया उन्हीं हाथों ने कलम सर करना।

संजीव ठाकुर

कोरोना के संग जीना सीखने की जरूरत

डॉ. आशीष वशिष्ठ

कोरोना महामारी के मामले एक बार फिर से प्रकाश में आ रहे हैं। इस महामारी से बचाव के लिए सरकार ने लगभग सवा दो अरब वैक्सीन डोज देशवासियों को लगा कर पूरे विश्व में एक मिसाल कायम की। कोरोना संक्रमण में तेजी की खबरें चिंतित तो करती हैं लेकिन अब घबराने जैसी स्थिति नहीं है। एक तो सवा दो अरब टीकों से हासिल रोग प्रतिरोधक क्षमता है, वहीं भारतीयों की प्राकृतिक इम्यूनिटी भी इसके मुकाबले भारी पड़ेगी। कोरोना वारयरस एक बार फिर से धीरे-धीरे अपनी रफ्तार भारत में तेज करता दिख रहा है। हालांकि अभी नंबर इतने अधिक नहीं हैं लेकिन जिस तेजी से यह दोबारा बढ़रहा हैयह भारत के लिए चिंता का विषय है। आंकड़ों के मुताबिक, भारत में संक्रमण की दैनिक दर 6.78 प्रतिशत और साप्ताहिक दर 4.49 प्रतिशत है। कई राज्यों में कोविड के दैनिक मामले हर दिन बढ़ रहे हैं। केरल, दिल्ली, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश और गुजरात में वायरस के केस ज्यादा आ रहे हैं। इस बीच ये सवाल भी उठता है कि कोरोना का ये चढ़ता ग्राफ कम कम होगा। विशेषज्ञों के अनुसार कोविड केस बढ़ने के कई कारण हैं। इनमें पहला ओमिक्रोन एक्सबीबी वीकेएस 1.16 वेरिएंट हैं। ये वेरिएंट भारत के अधिकतर राज्यों में फैल चुका है.?। हर दिन इसके केस में इजाफा दर्ज किया जा रहा है। ये वेरिएंट पिछले सभी ओमिक्रॉन वेरिएंट्स की तुलना में ज्यादा संक्रामक है। चूंकि समय के साथ वायरस में म्यूटेशन होता है तो ये खुद को बदलता रहता है। इस वजह से लोग वायरस की चपेट में आ जाते हैं। यह ठीक है कि नये संक्रमण से ग्रस्त रोगियों को बुखार, सिरदर्द, बेचैनी व गले में दिक्कत होती है, लेकिन दो-तीन दिन में ये ठीक भी हो जाते हैं। अस्पताल में लोगों को भर्ती कराने की जरूरत कम पड़ रही है। कमजोर इम्यूनिटी वालों में संक्रमण से गंभीर लक्षण भी हो रहे हैं। हालांकि वायरस की वजह से मौतें नहीं हो रही हैं। लेकिन इसका तेजी से फैलना चिंता पैदा करता है। यही वजह है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन लगातार इसकी निगरानी की सलाह दे रहा है। चिंता इस बात को लेकर भी है कि कहीं ज्यादा फैलने पर यह वायरस रूप बदलकर घातक न होने लगे। जिसके मद्देनजर केंद्र व राज्यों को अपने स्तर पर पूरी तैयारी रखनी चाहिए। कोरोना के बढ़ते मामलो को देखते हुए सरकार अलर्ट मोड पर आ गई है। हाल में राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री की बैठक इसी दिशा में कदम था। वैसे बुजुर्गों, असाध्य रोगों से ग्रसित मरीजों, विभिन्न लाइफ स्टाइल जनित रोगों से जूझ रहे लोगों को इस स्थिति में अतिरिक्त सावधानी जरूर बरतनी होगी। साथ ही बूस्टर डोज न लेने वाले लोगों को यथाशीघ्र इसे लेना होगा। लेकिन यहां विचारणीय तथ्य यह है कि कोरोना संक्रमण पहला व अंतिम नहीं है। आने वाले समय में ऐसी तमाम चुनौतियां हमारे सामने आ सकती हैं।

विचार

खारिज कांग्रेस से गठजोड़ करने को बेकरार नीतीश !

अशोक भाटिया

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विपक्षी एकता के केंद्रबिंदु बनने हेतु प्रयासरत हैं। विपक्ष से प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार होने की चाहत में उन्होंने सात महीने पहले एनडीए का साथ छोड़ा था। तब से लगातार प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस को रिझाने में लगे हैं। उनके लिहाज से लोकसभा की सदस्यता और सरकारी कोठी तक गंवा बैठे राहुल गांधी से हाल ही में हुई मुलाकात महत्वपूर्ण है। असल में नीतीश कुमार 2009 से ही प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार होने की जुगत में लगे हैं जब लोकसभा चुनाव में लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में एनडीए को हार मिली थी। यह बात दीगर है कि तब वो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन से आस लगाए बैठे थे। इसके लिए वह आज भी उम्र की वजह से राजनीति से रिटायर हो चुके आडवाणी जी से अपने मधुर रिश्ते की दुहाई देते रहते हैं। भाजपा ने बेजोड़ जीत के लिए 2013 में नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाकर नीतीश की उम्मीद पर पहला कुठाराघात किया था। इससे निराश होकर उन्होंने एनडीए का दामन छोड़ धुरविरोधी लालू प्रसाद को गले लगाया और लोहिया जैसे बड़े समाजवादी नेताओं की भावना के विपरीत कांग्रेस के साथ गठबंधन कबूल कर लिया। अब तो राजनीतिक पंडित भी नहीं सनझ पा रहे कि न जाने कौनसी मजबूरी है जो नीतीशकुमार कांग्रेस से हाथ मिलाने को बेकरार है । अगर नीतीश में नैतिकता का लोप नहीं हुआ होता तो वे साथी के तौर पर जनता द्वारा खारिज की जा चुकी कांग्रेस से हाथ मिलाने को तैयार नहीं होते। वह तो कांग्रेस को तोड़ कर उसके नेताओं को अपने संस्कार सिखाने के लिए जेडीयू का हिस्सा बनाते रहे हैं। अशोक चौधरी इसके बड़े उदाहरण आपको मिल जाएंगे। आश्चर्य तो तब हुआ था जब विपक्षी एकता के लिए वे उसी कांग्रेस के आगे गिड़गिड़ा रहे थे जिसको बिहार में नेस्तनाबूद करने की उन्होंने चाल चली थी। कांग्रेस ने भी उन्हें बातचीत के लिए बुलाया तो अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के घर। खरगे अगर अपनी पार्टी के अध्यक्ष हैं तो उनसे बात करने के लिए जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ही काफी थे। दो पार्टियों के अध्यक्ष बात करते तो यह शोभा भी देता। नीतीश का जो कद रहा है, उसमें सोनिया गांधी या राहुल गांधी से मुलाकात ही मायने रखती है। नीतीश कुमार एक जुमला अक्सर दोहराते रहते हैं कि करप्शन, कम्युनलिज्म और क्राइम से कोई समझौता नहीं करेंगे चाहे कोई भी उनके साथ रहे। कोई से उनका आशय भाजपा और आरजेडी से होता है, इसलिए कि वे बदल-बदल कर इन्हीं दो दलों के साथ अपनी सरकार चलाते आए हैं। सच्चाई यह है कि उन्हें अब अपने घोष वाक्य से इतर जाने में कोई संकोच नहीं होता। लालू परिवार पर लगे करप्शन के आरोपों से कौन अनजान है। लालू यादव तो चारा घोटाले के सजायाफ्ता ही हैं। तेजस्वी यादव सीबीआई और ईडी का सामना कर रहे हैं। लालू यादव की पत्नी और बेटियां भी करप्शन के आरोपों से अब घिर चुकी हैं। लेकिन उनके साथ सरकार चलाने में अब नीतीश को करप्शन आड़े नहीं आता। और तो और, कांग्रेस के दो शीर्ष नेता- सोनिया गांधी और राहुल गांधी भी नेशनल हेराल्ड केस में फंसे हुए हैं। फिर भी नीतीश को इससे कोई परेशानी नहीं है। यहां यह जिक्र करना जरुरी होगा कि 2017 में तेजस्वी यादव के खिलाफ सीबीआई ने जब केस दर्ज किया था तो नीतीश ने अच्छी खासी चलती सरकार पलट दी थी। आरजेडी से किनारा कर भाजपा के साथ सरकार बना ली थी। कहा था- तेजस्वी जनता के बीच जाकर अपने निर्दोष होने की सफाई दें। सबको पता है कि सियासत में सफलता के सोपान तक पहुंचने में नीतीश को सर्वाधिक मदद कैसे मिली। लालू यादव और राबड़ी देवी के शासन काल में अपराध और भ्रष्टाचार का बोलबाला था। यह देख कर ही पटना हाईकोर्ट ने तब जंगल राज की बात कही थी। नीतीश ने बिहार में जंगल राज को मुद्दा बनाया। लालू-राबड़ी का विरोध किया। नीतीश का 1994 से शुरू हुआ लालू-राबड़ी का विरोध आखिरकार 2005 में रंग लाया और नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री की कुर्सी मिल गई। जिनके विरोध के बिना पर नीतीश ने अपना जनाधार बनाया और कामयाबी हासिल की।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआईः UTTHIN / 2009 / 31653

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक, राकेश भारद्वाज द्वारा मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, ए-15, बड़ा बाग, जीटी करनाल रोड इन्डस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली-33 से मुद्रित एवं 7/1 बल्लूपुर रोड, डॉ. टी पटनायक के सामने, कृष्णा नगर चौक के पास देहरादून, उत्तराखंड से प्रकाशित। एक्शन इंडिया में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक या प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र देहरादून ही होगा।

सम्पादकः रवि भारद्वाज (+919999889104)
actionindiaddn@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अतः समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

चिंतन

पुलिस की छाया में उभरा आतंकी साया

डा. भरत मिश्र प्राची

अतीक अहमद के आतंक से पूरा परिवेश प्रभावित रहा, इसमें कोई संदेह नहीं। उसके गुनाह की सजा देना न्यायालय का दायित्व है। उसके गुनाह के लिये न्यायालय फांसी तक की सजा दे सकता है। न्यायालय की सजा के तहत अतीक अहमद और उसका भाई अशरफ जेल में कैद रहे जिनकी मेडिकल जांच के लिये प्रयागराज में पुलिस की छत्रछाया में ले जाते समय रास्तें में मीडिया कर्मी के बीच मीडिया कर्मी बन कर आये तीन युवा हमलावारों ने पुलिस के सामने हीं दनादन लगातार गोली चलाकर अतीक अहमद एवं उसके भाई अशरफ को ढ़ेर कर पुलिस के सामने आत्मसर्म्पण कर दिया। पुलिस के सामने घटित इस तरह की घटना अनेक सवाल खड़ा करती है। इस तरह की घटना से पूरा मीडिया जगत भी कलंकित हो रहा है। मीडिया कर्मी बनकर आये इस तरह की घटना में शामिल लवलेश तिवारी,मोहित उर्फ सनी एवं अरूण मौर्य को किसने मीडिया का पास दिया। इस तरह के परिवेश में हर आने वाले की पुलिस जांच करती है, फिर इन फर्जी मीडिया कर्मी बने हमलावार के हथियार की जांच में पुलिस से कहां चूक हो गई। हमला करते समय पुलिस ने इन हमलावारों पर गोली क्यो नहीं चलाई ? इस तरह का पूरा परिवेश घटनाक्रम को शक के दायरे में खड़ा करता है, जहां पुलिस की छाया में उभरी आतंकी साया के पीछे किसी न किसी की माया शामिल है जिसका पदार्फाश होना लोकतंत्र के हित में जरूरी है वरना लोकतंत्र में कानून का राज धरासायी हो जायेगा। पुलिस संरक्षण पर से भी सदा - सदा के लिये विश्वास उठ जायेगा।

गैंगस्टर से नेता बने अतीक अहमद एवं उसके भाई अशरफ को पुलिस की उपस्थिति में विदेशी पिस्तौल के माध्यम से प्रहार कर मृत्यु के घाट पहुंचाने वाले पुलिस की पकड़ में आये युवा हमलावारों ने पुलिस के सामने यूपी के बड़े गैंगस्टार बनने की इच्छा जाहिर करते हुये इस घटना को अंजाम देने का कारण बताया। इस तरह गैंगस्टार बनने की तमन्ना रखने वाले इस तरह की घटना को अंजाम देते रहे तो आतंक का साया कैसे खत्म हो पायेगा, विचारणीय है।

कागज है कागज क्या...

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

सिग्नल पर सिर्फ बत्तियों के रंग नहीं बदलते, वहाँ आती-जाती गाड़ियों और उनके चालकों के भी रंग बदलते हैं। पक्की और चमचमाती सड़कों की बांहों में लोटने वाली फेरारी, ऑडी, बीएमडब्ल्यू कारों के साथ-साथ भीख मांगने वाले हाथ विकास के बदन पर किसी फोड़े-फुंसी से कम नहीं लगते। यहाँ पर देश का विकास महंगी कारों की ओर निहारता है तो पिछड़ापन भिखारियों के कटोरे में चिल्लर बनकर खनकता है। सच कहें तो अमावस और पूर्णिमा एक साथ देखने का अहसास केवल हमारे देश में ही हो सकता है। ऐसे ही किसी दिन मेरी गाड़ी सिग्नल पर खड़ी थी। चौराहा इतना भीड़-भाड़ वाला था कि 180 सेकेंड तक वहाँ रुकना था। गाड़ियों का हुजूम देश की बढ़ती जनसंख्या का समर्थन कर रहा था। पदचालक गाड़ियों और गाड़ियाँ पदचालकों की जगह खा रहे थे। जिब्रा क्रॉसिंग तो जिब्राओं के लिए होता है। जब देश में जिब्रा है ही नहीं तो इनके बनाने का क्या मतलब? यह तो सरासर लोगों को बेवकूफ बनाना नहीं तो और क्या है? क्रॉसिंग बनाने का इतना ही शौक है तो कोई गधा क्रॉसिंग बनाते। मैं अब तक समझता था कि व्यापार केवल दुकानों, शॉपिंग मॉलों, रेहड़ पट्टी पर ही हो सकता है। किंतु सिग्नल वाले चौराहे को देखने पर समझ आया कि यह मेरी गलतफहमी है। यहाँ जितना व्यापार होता है उतना ही शायद कहीं ओर होता होगा। कलम, अगरबत्ती, खिलौने, खाने-पीने की चीजें, सीजनल वस्तुएँ जैसे पतंग, पिचकारी, झंडे, दिवाली की लाइटें सभी कुछ तो यहाँ बिकता है। ऐसे ही बेचने वालों में एक छह-सात का लड़का मेरे पास आया और कलमें बेचने लगा। मैंने उससे पूछा कि यह तुम क्या कर रहे हो? स्कूल क्यों नहीं जाते? मेरे सवालों की झड़ी के बीच में अचानक से कहीं उसकी माँ आकर कूद पड़ी। बोली झ्र ह्यखरीदना है तो खरीदो सहब! बेकार की बातें मत करो!ह्य मैं कुछ कहने ही वाला था कि वह मुझे भांप गयी। वह दूसरी पर छोर पर गाड़ी साफ करने वाले युवक की ओर संकेत करते हुए कहने लगी झ्र ह्यपढ़-लिखकर आज के जमाने में लोग कितना कमाते हैं, उससे जाकर पूछो। डिग्री पढ़ा है। लेकिन क्या फायदा? डिग्री से इज्जत बढ़ती होगी, भूख नहीं मिटती। भूख लगने पर खाना खाते हैं, डिग्री के टुकड़े तो नहीं। जो काम आए उसे डिग्री कहते हैं।

न्यूज फ्लैश

नाबालिग लड़की के साथ अभद्रता करने का आरोप

सोनीपत: मोहाना थाना क्षेत्र के गांव में गली से गुजरते समय नाबालिग लड़की के साथ अभद्रता करने व विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने के आरोप का मामला सामने आया है। मामले को लेकर लड़की के दादा ने आरोपित लड़के के घर पर शिकायत की तो उसके साथ मारपीट की। लड़की के दादा ने मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने इस संबंध में आरोपितों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। एक व्यक्ति ने बताया कि उसकी नाबालिग लड़की पढ़ती है। घर से स्कूल जाते समय गांव का एक लड़का उसके साथ अभद्रता करता रहता है। लड़की ने मामले को लेकर परिजनों को अवगत करवाया। इस संबंध में वह शिकायत लेकर लड़के के घर पहुंचा। जहां लड़के व उसके परिजनों ने उसके साथ अभद्रता करनी शुरू कर दी। उसके साथ मारपीट की गई। मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। जांच अधिकारी एसआई उषा ने बताया कि लड़की के बयान अदालत में दर्ज करवाएं गए है। आरोपित के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। जल्द आरोपित को काबू कर आगामी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

मणिपाल अस्पताल, गुरुग्राम रेवाड़ी में रीढ़ संबंधी विकारों के लिए विशेष ओपीडी आयोजित करेगा

गुरुग्राम: मणिपाल अस्पताल, गुरुग्राम बुधवार, 19 अप्रैल 2023 को नैथानी न्यूरो और स्पाइन अस्पताल, रेवाड़ी के सहयोग से रीढ़ संबंधी विकारों के लिए एक विशेष ओपीडी का आयोजन करेगा। ओपीडी स्लिप डिस्क, स्कोलियोसिस, रीढ़ की हड्डी सहित विभिन्न रीढ़ विकारों के लिए विशेषज्ञ परामर्श और उपचार प्रदान करेगा। मणिपाल अस्पताल, गुरुग्राम के जाने-माने कंसल्टेंट स्पाइन सर्जन डॉ. अरुण भनोट परामर्श और निदान के लिए सुबह 11:30 बजे से दोपहर 2 बजे तक मॉडल टाउन, कैपिटन साहब वली रोड में स्थित नैथानी न्यूरो और स्पाइन अस्पताल में उपलब्ध रहेंगे।रीढ़ मानव शरीर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जो पूरे कंकाल प्रणाली का समर्थन करता है और रीढ़ की हड्डी की रक्षा करता है। रीढ़ की हड्डी के विकार दुर्बल करने वाले दर्द, बेचैनी और यहां तक कि पक्षाघात का कारण बन सकते हैं। ये स्थितियाँ विभिन्न कारकों के कारण हो सकती हैं, जिनमें चोटें, संक्रमण, अध: पतन और ट्यूमर शामिल हैं। रोगी के जीवन की गुणवत्ता के लिए रीढ़ संबंधी विकारों का शीघ्र निदान और उपचार महत्वपूर्ण है। इस ओपीडी का उद्देश्य बताते हुए, डॉ. अरुण बहनोत, वरिष्ठ सलाहकार और स्पाइन सर्जन के प्रमुख, मणिपाल हॉस्पिटल, गुरुग्राम ने कहा, "रीढ़ की बीमारी व्यक्ति के जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है और पुराने दर्द और परेशानी का कारण बन सकती है। इस ओपीडी के साथ, हमारा उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। और रेवाड़ी और आसपास के क्षेत्रों में रीढ़ की हड्डी के विकारों से पीड़ित लोगों के लिए विशेषज्ञ परामर्श। हम आशा करते हैं कि अधिक से अधिक रोगियों का निदान और उपचार किया जा सके, जिससे वे दर्द मुक्त और स्वस्थ जीवन जी सकें।"इस पहल के साथ, मणिपाल अस्पताल, गुरुग्राम का उद्देश्य क्षेत्र के लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। मणिपाल अस्पताल, गुरुग्राम, एक प्रमुख मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल है जो रोगियों को उन्नत चिकित्सा देखभाल और अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान करता है।

लिंगानुपात में सुधार के लिए मिशन मोड में स्वास्थ्य विभाग : सीएमओ

टीम एक्शन इंडिया/सिद्धार्थ राव, बहादुरगढ़ । जिला सिविल सर्जन डॉ ब्रहमदीप सिंह ने मंगलवार को नागरिक अस्पताल बहादुरगढ़ में पत्रकारों को संबोधित करते हुए बताया कि स्वास्थ्य विभाग सरकार की बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए उपायुक्त कैप्टन शक्ति सिंह के मार्गदर्शन में मिशन मोड में कार्य कर रहा है। कन्या भ्रूण हत्या की रोकथाम रोकने के लिए निरंतर रेड की जा रही है। जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जिला की पीएनडीटी टीम द्वारा दूसरे जिलों व राज्यों में सफल रेड की हैं। वर्ष 2022 में 12 पीएनडीटी और चार एमटीपी और चालू वर्ष में अभी तक चार सफल पीएनडीटी रेड की हैं। पीएनडीटी एक्ट के तहत आरोपियों के विरूद्ध माननीय अदालतों में सजा दिलाने के लिए मजबूती से पैरवी की जा रही है। उन्होंने कहा कि झज्जर जिले के लिंगानुपात में निरंतर सुधार हो रहा है। जिले का लिंगानुपात 900 से ऊपर पंहुच गया है। हमारा लक्ष्य 950 का है। लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए स्वास्थ्य विभाग अन्य संबंधित विभागों के साथ बेहतर तालमेल के साथ कार्य कर रहा है।सीएमओ ने बताया कि बुलंदशहर यूपी में जिला स्वास्थ्य विभाग की सफल पीएनडीटी रेड के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 17 अप्रैल 2023 को गुप्त सूचना के आधार पर रेड की गई । डॉ संदीप दलाल, पीएनडीटी नोडल अधिकारी, डॉ ममता वर्मा, डॉ हर्षदीप वर्मा,विनोद एसए, रजनेश, प्रदीप और पंकज की एक टीम गठित की। हमारी पुलिस टीम ने सराहनीय काम किया है। प्राथमिकी थाना गुलावठी बुलंदशहर में दर्ज की गई । अस्पताल बहादुरगढ़ पीएमओ डॉक्टर गोपाल गोयल,एसएमओ डॉक्टर देवेंद्र मेगा,एसएमओ डॉ विनय देशवाल,अर्बन कंसलटेंट डॉक्टर गगन जैन,जिला अर्श काउंसलर संदीप कुमार जांगड़ा, मौजूद रहे।

सौ शैया की घटना से शायद ही ले कोई सबक!

कायाकल्प अवार्ड मिलने के बाद ही हालात ऐसे कि हो सकता था बड़ा नुकसान

टीम एक्शन इंडिया/मथुरा/ लोकेश चौधरी

वृंदावन के सौ शैय्या अस्पताल की पैथोलॉजी लैब में आग लगने की घटना ने एक बार फिर कई सवाल खडे कर दिये हैं। इस घटना में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ लेकिन अग्निशमन विभाग और जिला प्रशासन की पिछली लम्बी कवायद की कलई जरूर खोल दी। पिछले दिनों अग्निशमन विभाग की ओर से बडे स्तर पर यह सुनिश्चित करने के लिए अभियान चलाया गया था कि बडी इमारतों में आग पर नियंत्रण पाने के लिए समुचित इंतजाम हैं अथवा नहीं। इन इमारतों में

होटल, मोटल, अस्पताल, मैरिज होम, मल्टी स्टोरी बिल्डिंग आदि थे। कई को नोटिस थमाए गए थे तो कई को चेतावनी दी गई थी। सौ शैया अस्पताल की लैब में लगी आग से अस्पताल में धुआं भरने से मरीज और स्टाफ में अफरा तफरी मच गई थी। मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने बमुश्किल आग पर काबू पाया। इस दौरान अस्पताल प्रबंधन की घोर लापरवाही पर दमकल विभाग ने चेतावनी नोटिस जारी करने की बात कही है। कहा जा रहा है कि पैथोलॉजी लैब के एयर कंडीशन में शार्ट सर्किट से आग लग गई, लेकिन अस्पताल कर्मियों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया और कुछ ही देर में आसपास की मशीनों ने भी आग पकड़ ली। जिससे पूरे अस्पताल में धुंआ फैल गया। इस पर दमकल विभाग को आग लगने की जानकारी दी गई। मौके पर पहुंची दो दमकल गाड़ियों की मदद से विभागीय कर्मियों ने स्थिति पर काबू पाया।

दमकल विभाग के द्वारा जल्द ही आग पर काबू पा लिया गया है, लेकिन उन्हें हॉस्पिटल प्रबंधन की ओर से जल्दी खबर दे दी गई होती तो हॉस्पिटल परिसर का इतना नुकसान नहीं होता। उन्होंने बताया कि हॉस्पिटल प्रबंधन के पास कोई भी उचित व्यवस्था मौजूद नहीं है। हॉस्पिटल प्रबंधन की लापरवाही के चलते यह हादसा हुआ है। वहीं उन्होंने कहा कि हॉस्पिटल प्रबंधन के पास दमकल विभाग को सूचित करने हेतु कोई भी संपर्क नहीं था। अस्पताल प्रबंधन के द्वारा काफी देर में दमकल विभाग को सूचना दी गई और मौके पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने जल्द ही आग पर काबू पा लिया।

-नरेंद्र प्रताप ,सीएफओ मथुरा

अग्निवीर की परीक्षा देने के लिए विभिन्न जिलों से पहुंचे सैकड़ों युवा

टीम एक्शन इंडिया/अम्बाला छावनी (मनीष कुमार) सैंकड़ो युवा अम्बाला छावनी में आयोजित अग्नि वीर रिटन टेस्ट देने पहुंचे। इन युवाओं का कहना था कि इस वर्ष सरकार द्वारा पहले रिर्टन टेस्ट लिया जा रहा है। जबकि पहले फिजिकल टेस्ट हुआ करता था। उन्होनें सरकार ने इस योजना की सराहना कि और कहा कि वह विभिन्न जिलों से यहां पर परीक्षा देने के लिए आए हुए है। मन में देश भक्ति का जजबा लिये परीक्षा देने आए करनाल के युवक ने बताया कि पहली शिफ्ट में उसका रिर्टन एग्जाम हुआ। उसने बताया कि वह पिछले कई महीनों से अग्निवीर परीक्षा की तैयारी में जुटा हुआ था। वहीं कैथल से आए एक युवक ने बताया कि उसके भाई का अम्बाला में पेपर था। सरकार द्वारा रिटन एग्जाम पहले करवाया जाना सरकार का एक अच्छा प्रयास है। उन्होनें कहा कि इससे पढ़ने वाले बच्चों को लाभ मिलेगा। अग्निवीर की समय सीमा सरकार को बढ़ानी चाहिए। इससे भविष्य में भी इन युवाओं को लाभ होगा।

पंजाब में किसानों ने जगह-जगह पर रेलवे ट्रैक किए जाम, यात्री परेशान

टीम एक्शन इंडिया/अम्बाला छावनी (मनीष कुमार) पंजाब में किसानों द्वारा किए जा रहे प्रदर्शन का असर अंबाला में भी देखने को मिला। जिसके चलते अनेक रेलगाडियां प्रभावित रही। लोगों को आने जाने में भारी परेशानी का सामना करना पडा। किसानों का कहना था कि वह अपनी मांगों को लेकर पहले भी सरकार को बता चुके है। लेकिन उनकी मांगे नही मानी गयी। यात्रियों का कहना है कि अगर रेलवे प्रशासन को पता था कि ट्रेनें रोकी जाएंगी तो उन्हें टिकट क्यों दी। उन्होंने कहा कि वे गर्मी में बेहाल हो रहे हैं। बच्चों साथ हैं उन्हें लेकर कहां जाए। उधर, किसानों ने कहा कि उन्होंने पहले ही ऐलान कर दिया था कि 18 तारीख को रेलें रोकी जाएंगी, यात्री सफर न करें।

बता दें कि किसानों ने केंद्र के खिलाफ योग्य मुआवजा नहीं दिए जाने के इल्जाम लगाए हैं। किसानों ने कहा कि उन्हें प्रति एकड़ के हिसाब से उन्हें मुआवजा दिया जाए। आज उन्हें एक बार फिर से रेलवे ट्रैक पर बैठने के लिए मजबूर होना पड रहा है। संयुक्त किसान मोर्चा ने केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। जगह-जगह रेलवे ट्रैक पर बैठ गए हैं। केंद्र सरकार द्वारा लगाए गए वेल्यू कट के खिलाफ प्रदर्शन किया जा रहा है। बता दें कि आज दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक किसानों द्वारा रेलें रोकी गई। किसानों का कहना है कि केंद्र ने गेहूं के खराब दाने पर वेल्यू कट लगाया है। 5 रुपए से लेकर 32 रुपए तक वेल्यू कट लगाया है। पंजाब में किसानों ने अमृतसर, फिल्लौर, खन्ना, राजपुरा, फिरोजपुर, फरीदकोट, बठिंडा, मानसा, मलोट, फाजिल्का, जगराओं, गुरदासपुर, संगरूर, बरनाला, रोपड़, होशियारपुर, मोगा व समराला में रेलों का चक्का जाम किया हुआ है।

यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सरकार की गलती का खमियाजा उन्हें भुगतना पड़ रहा है।

कृषि विभाग की टीम ने दवाइयों की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट पर की छापेमारी

सोनीपत: खरीफ सीजन शुरू होने से पहले कृषि विभाग द्वारा खाद, दवाइयों व बीजों की बेहतर गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। विभाग खाद और बीज विक्रेताओं की दुकानों पर छापेमारी करके सैंपल इक्ट्ठा कर रहे थे। विभाग के उपनिदेशक अनिल सहरावत व क्यूसीआई राकेश हुड्डा के नेतृत्व में टीम ने नाथुपूर क्षेत्र में स्थित दो मैन्युफैक्चरिंग यूनिटों पर छापेमारी कर दवाइयों के पांच सैंपल लिए है। जल्द विभाग की तरफ से उन्हें जांच के लिए लैब भेजा जाएगा। रिपोर्ट आने के बाद आगामी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी। बता दें किमौजूदा समय में रबी सीजन की फसलों की कटाई और कढ़ाई प्रक्रिया चल रही है।

सीनियर सिटीजन पुरुष और महिलाओं को किराए में मिल रही है 50 फीसदी की छूट : हरप्रीत

टीम एक्शन इण्डिया/कुरुक्षेत्र (दलबीर मलिक)

हरियाणा राज्य परिवहन कुरुक्षेत्र की महाप्रबंधक हरप्रीत कौर ने कहा कि सीनियर सिटीजन पुरुष और महिलाओं को बस किराए में सरकार के आदेशानुसार 50 फीसदी की छूट दी जा रही है। इस छूट को हासिल करने के लिए 60 या 60 वर्ष से ज्यादा आयु वर्ग की महिला तथा 65 या 65 वर्ष से ज्यादा आयु वर्ग के पुरुष को बस पास बनवाने की जरूरत नहीं है। अहम पहलू यह है कि सीनियर सिटीजन को निजी बसों में सरकार के आदेशानुसार किराए में 50 फीसदी की छूट मिलेंगी। अगर कोई बस चालक-परिचालक आदेशों की अवहेलना करेगा तो

उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

जीएम रोडवेज हरप्रीत कौर ने मंगलवार को जारी आदेशों में कहा कि राज्य सरकार के आदेशानुसार 60 से 65 वर्ष आयु वर्ग के पुरुषों के केवल पास बनाएं जाएंगे। इस पास को बनवाने के लिए इस निर्धारित आयु वर्ग के व्यक्ति को अपने निकटतम सीएससी सेंटर में जाकर पंजीकरण करवाना होगा। इसके लिए बकायदा लिंक ई-बुकिंग.एचआरट्रांसपोर्ट.जीआवी.इन पर क्लिक करके स्वयं भी पंजीकरण करवा सकते है या फिर निकटतम सीएससी सेंटर से भी अपना पंजीकरण करवा सकते है। इस पंजीकरण के बाद संबंधित व्यक्ति को नए बस स्टैंड कुरुक्षेत्र में जाकर अपना बस पास बनवाना होगा और पंजीकरण का दस्तावेज भी दिखाना होगा। उन्होंने कहा कि जिन महिलाओं की आयु वर्ष 60 वर्ष से ज्यादा है और जिन पुरुषों की आयु 65 वर्ष से ज्यादा है, इस आयु वर्ग की महिला और पुरुष को पास बनवाने की जरूरत नहीं है।

मोटे अनाज के प्रति जागरूक करने के लिए निकाली जागरूकता रैली

टीम एक्शन इंडिया/अम्बाला छावनी (मनीष कुमार) आर्य गर्ल्ज कॉलेज, अम्बाला छावनी में वूमेन सैल, एन.एस.एस., आत्मनिर्भर भारत कमेटी तथा टूगेदर वी केन फाउंडेशन अम्बाला के संयुक्त तत्वावधान में करवाए जा रहे दो दिवसीय मिलेट मेला अर्थात मोटा अनाज मेला के प्रथम दिन मोटर अनाज जागरूकता रैली का आयोजन किया गया जिसका आगाज मुख्यातिथि संजीव वालिया, समाज सेवी, अम्बाला तथा उनकी धर्मपत्नी सीमा वालिया द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। कॉलेज प्राचार्या डॉ. अनुपमा आर्य ने मुख्यातिथि को पौधा देकर सम्मानित किया।

यह रैली कॉलेज से प्रारंभ होकर विजय रतन चैक, गीता गोपाल चैक तथा सदर बाजार से निकाली गई। इस अवसर पर कॉलेज प्राचार्या डॉ. अनुपमा आर्य, टूगेदर वी केन फाउंडेशन से पूनम गुप्ता अपनी संस्था के अन्य साथियों सहित, एफ.एस.एस.ए.आई. अम्बाला से नामित अधिकारी एन.डी. शर्मा, फूड सेफटी ऑफिसर डॉ. राजीव शर्मा, सहायक बलबिन्द्र, रोटरी क्लब औद्योगिक क्षेत्र अम्बाला की अध्यक्ष नीलम शर्मा, लाइंस क्लब अम्बाला होस्ट की अध्यक्ष ज्योति आनंद, डॉ. जोगिन्द्र सिंह, सिविल अस्पताल, अम्बाला छावनी दीपक भसीन, देश फार्मा, अम्बाला उपस्थित रहे। इस रैली में उपस्थित सभी प्रतिभागियों में

8 70 से अधिक देशों का समर्थन मिला और संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष के रूप में घोषित किया

एक अनोखा उत्साह देखा गया। सभी ने मोटा अनाज के प्रति लोगों को जागरूक करने हेतु एफ. एस.एस .ए.आई के नारे राइट इंडिया आज से थोड़ा कम तेल, चीनी, नमक कम, वंदे मातरम, भारत माता की जय, मिट्टी को बचाएंगे, मोटा अनाज उगाएंगे, पानी को बचाना है, मोटा अनाज उगाना है, लगाए। कार्यक्रम के मुख्यातिथि संजीव वालिया जी ने आर्य गर्ल्ज कॉलेज तथा टूगेदर वी केन फाउंडेशन द्वारा इंटरनेशनल इयर ऑफ मिलेट-2023 के उपलक्ष्य में मिलेट मेला आयोजित करने पर कॉलेज की प्राचार्या डॉ. अनुपमा आर्य की सराहना की तथा कहा कि मोटा अनाज के प्रति जागरूक करने हेतु यह एक बहुत अच्छा कार्य किया गया है। डॉ. जोगिन्द्र सिंह, सिविल अस्पताल, अम्बाला छावनी ने छात्राओं को मोटा अनाज के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि अपनी जीभ के स्वाद के लिए बाजार से फास्ट फूड खाना बंद करना होगा। अपनी दिनचर्या में बड़ा अनाज, फल सब्जियां, दूध शामिल करें तथा मोबाइल का कम से कम उपयोग करें क्योंकि यह सेहत के लिए हानिकारक है। मोटा अनाज खाने से होने वाले स्वास्थ्य लाभ आपको कुछेक महीनों में देखने को मिल सकते हैं। डॉ. अनुपमा आर्य ने बताया कि इंटरनेशनल इयर ऑफ मिलेट-2023 के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि मोटे अनाज को वापिस लाने और घरेलू और वैश्विक मांग बनाने और लोगों को पोषण संबंधी भोजन देने के लिए 2021 में, भारत ने संयुक्त राष्ट्र को 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष घोषित करने का प्रस्ताव दिया। भारत के इस प्रस्ताव को 70 से अधिक देशों का समर्थन मिला और संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष के रूप में घोषित किया।

ग्लेनमार्क फार्मा ने भारत के रेस्पिरेटरी बाजार में अपनी उपस्थिति मजबूत की

नई दिल्ली: ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड। (ग्लेनमार्क), एक नवाचार-संचालित, वैश्विक फार्मास्यूटिकल्स कंपनी, ने श्वसन खंड में अपनी स्थिति को और मजबूत किया है और भारतीय फार्मा बाजार में #2 स्थान पर है*। ग्लेनमार्क अपनी श्वसन संबंधी दवाओं के लिए एक विश्वसनीय ब्रांड है, जिसमें एस्कोरिल, एस्कॉरिल एलएस, एस्कोरिल डी और एलेक्स जैसे ब्रांड हैं। कंपनी के आधुनिक और अभिनव समाधान, बिलाजाप एम और रियाल्ट्रिस एजेड/मोनो भी रोगियों और स्वास्थ्य पेशेवरों के बीच लोकप्रिय हैं। पिछले एक साल में, इसकी श्वसन दवाएं 1 लाख से अधिक चिकित्सा पेशेवरों द्वारा निर्धारित की गई हैं और देश भर में सभी आयु समूहों के 4 करोड़ से अधिक रोगियों की मदद की है। श्री। ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड के कार्यकारी उपाध्यक्ष और भारत व्यापार प्रमुख आलोक मलिक ने कहा, "हमारे अभिनव उत्पादों और रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण ने भारतीय फार्मास्युटिकल उद्योग में श्वसन क्षेत्र में अग्रणी के रूप में हमारी स्थिति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हम अपने रोगियों के लिए बाजार में पहली दवा उपलब्ध कराने के अपने लक्ष्य से प्रेरित हैं और नई दवाएं लाना जारी रखेंगे जो सुरक्षित और प्रभावी हैं।ग्लेनमार्क भारत में आधुनिक ओएडी (ऑब्सट्रक्टिव एयरवे डिजीज) प्रबंधन में अग्रणी रहा है, और देश में अस्थमा और सीओपीडी - क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज में रोगी की जरूरतों को पूरा करने वाली पहली कंपनियों में से एक है। ग्लेनमार्क डिजिटल डोज इनहेलर्स, अल्ट्रा एलएबीए + आईसीएस, सिंगल इनहेलर ट्रिपल थेरेपी और नेबुलाइज्ड लामा के लॉन्च के साथ क्रोनिक रेस्पिरेटरी स्पेस में इनोवेटिव उत्पाद पेश करने वाला पहला देश है।

नशीले कैप्सूल सहित बलदेव नगर का पप्पू रिमांड पर

टीम एक्शन इंडिया/अम्बाला (मनीष कुमार) अम्बाला में नशीले पदार्थों की तस्करी करने वालों पर पुलिस ने शिकंजा कस्ते हुए युवक को दरदबोचा है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी दो दिन का पुलिस रिमांड लिया गया है। आरोपी विनोद उर्फ पप्पू निवासी बलदेव नगर से पूछताछ कि जा रही है तथा यह पता लगाया जा रहा है कि आरोपी नशीले पदार्थ कहां से लाता था और किन किन को सप्लाई करता था। आरोपी से भारी मात्रा में नशीले कैप्सूल बरामद हुए है। पुलिस का कहना है कि मामले में और लोगो की भी गिरफ्तारी हो सकती है।

नौकरी बचाने के लिए गृह मंत्री के आवास का घेराव करने पहुंचे कोरोना कर्मचारी

टीम एक्शन इंडिया/अम्बाला छावनी (मनीष कुमार) अंबाला में छावनी बस स्टैण्ड पर विभिन्न मागों को लेकर कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया। कर्मचारियों का कहना था कि वह नौकरी बचाने की मांग करते हुए धरना प्रदर्शन किया। इन कर्मचारियों ने बताया कि कोरोना काल के दौरान उन्हें विभाग में भर्ती किया गया था। लेकिन उसके बाद उन्हें पद से हटा दिया गया। जिसके चलते वह आर्थिक हानि का सामना कर रहे है।

कोरोना कर्मचारी एसोसिएशन

हरियाणा के प्रधान संदीप संधू ने बताया कि कोरोना काल के दौरान लगाए गए इन कर्मचारियो को पिछले साल भी हटा दिया था। तब वह अधिकारियों से मिले थे। उस समय आश्वासन दिया गया था कि कौशल रोजगार के तहत फिर से लगा दिया था। और कहा गया था कि एक एक साल की एक्सटेंशन दी जाएगी। लेकिन अब फिर से उन्हें नौकरी से हटा दिया गया और इस बार कहा गया कि सिर्फ 6 महीने की ही एक्टेंशन मिलेगी। सरकार के पास बजट नही है। प्रधान का आरोप था कि सरकार बडी बडी घोषणाएं करती है तथा सरकारी कार्यों पर तथा वीआईपी कलचर पर लाखों रुपएं खर्च किये जाते है। जबकि कर्मचारियों को देने के लिए तनखाह नही है। इससे प्रदेश में बेरोजगारी बढेगी। उन्होने बताया कि आज प्रदेश के विभिन्न जिलों से कर्मचारी आए हुए है। सरकार को चाहिए कि वह अपनी निति स्पष्ट करें।

हमें रोजगार की गारंटी दी जाए। एक साल का रोजगार तुंरत प्रभाव से उपलब्ध करवाया जाए

'अभय सिंह के परिवर्तन यात्रा का किया जा रहा जोरदार स्वागत'

-पानीपत जिला में पहुंचने पर परिवर्तन यात्रा का किया जाएगा बैंड बाजों से स्वागत

टीम एक्शन इंडिया/पानीपत

इनेलो के वरिष्ठ नेता एवं पानीपत शहर हलका प्रभारी डा. राजपाल ने कहा कि विधायक अभय सिंह चौटाला का परिवर्तन यात्रा अपनी एक हजार किमी की दूरी तय कर चुकी है। परिवर्तन यात्रा 17 अप्रैल तक 492 गांवों व 28 विधानसभा हलकों को कवर कर चुकी है। यात्रा का लोगों द्वारा जोरदार तरीके से स्वागत किया जा रहा है। यात्रा के दौरान विधायक अभय सिंह चौटाला स्वयं लोगों से रूबरू होकर उनकी समस्याओं को सुन रहे है। परिवर्तन यात्रा की सफलता से यह स्पष्ट रूप से

दावा किया जा सकता है कि 2024 में होने वाले विधानसभा चुनाव में हरियाणा में इनेलो की सरकार बनना तय है। पानीपत जिला में पहुंचने पर परिवर्तन यात्रा का पार्टी कार्यकताओं व लोगों द्वारा बैंड बाजों से स्वागत किया जाएगा। डा. राजपाल मंगलवार को जीटी रोड स्थित एक होटल में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस मौके पर इनेलो प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य निशान सिंह मलिक व मनोज जोरासी, रामकुमार नंबरदार, प्रवीन लता महिला जिला प्रधान व सतपाल ऊझा आदि मौजूद रहे। सभी इनेलो नेताओं ने पानीपत जिला में परिवर्तन यात्रा की तैयारियों को लेकर रूपरेखा बनाई गई। डा. राजपाल ने बताया कि पानीपत जिला में 31 जुलाई को परिवर्तन यात्रा सोनीपत की तरफ से गांव सींक में एंट्री करेगी और फिर करीब 10-12 दिनों तक चारो हलकों में जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में इनेलो की सरकार बनने पर बुजुर्गों को 7500 रूपए प्रति माह पेंशन, हर घर से योगयता के आधार पर एक सदस्य को नौकरी और नौकरी नहीं मिलने पर 21 हजार बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा। हर घर में महंगाई के दौर में गृहणियों को निजात दिलाने के लिये हर माह गैस का एक सिलेंडर दिया जाएगा। वहीं निशान सिंह मलिक ने कहा कि इस बार बहुत से किसानों की बारिश व ओलावृष्टि से किसानों की फसल बर्बाद हुई पर सभी को मुआवजा नहीं दिया जा रहा है।

अंबाला में आवारा पशुओं का आतंक, कई लोग घायल

टीम एक्शन इंडिया/अम्बाला (मनीष कुमार) अम्बाला में आवारा पशुओं का आंतक तेजी से बढ़ता जा रहा है। लेकिन इन पशुओं को पकड़ने में नगर निगम व परिषद नाकामयाब सिद्ध हो रही है। यह पशु आए दिन हादसों का कारण भी बन रहें है। अम्बाला शहर जीटीरोड पर आवारा पशु की चपेट में आने से शाहबाद निवासी मोटरसाइकिल सवार पकंज की मौत हो गई। जबकि उसका साथी सुखदेव गंभीर रूप से घायल हो गया। सुत्रोनुसार दोनो मोटरसाइकिल पर पंजाब की ओर जा रहे थे। लेकिन जैसे ही वह जंडली पुल फलाईओवर के पास

8 अम्बाला शहर जीटीरोड पर आवारा पशु की चपेट में आने से शाहबाद निवासी मोटरसाइकिल सवार पकंज की मौत हो गई

पहुंचे तो एक आवारा पशु मोटरसाइकिल के आगे आ गया। जिसके चलते दोनों युवक लहुलूहान हो गए और उन्हे अम्बाला शहर के ट्रामा सेंटर लाया गया। जहां पर डाक्टरों ने पंकज को मृत घोषित कर दिया।

सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई। वहीं दूसरी ओर लोगो का कहना था कि नगर निगम को चाहिए कि वह आवारा पशु पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाए। उन्होनें कहा कि अम्बाला में इससे पहले भी अनेक हादसे हो चुके है। कई लोग आवारा पशुओं के कारण अपनी जान गवा चुके है। गौरतलब है कि अम्बाला में जगह जगह आवारा पशुओं की भरमार है। जिसके चलते अक्सर मानव चौंक, पोलिटेक्निक चौंक, कालका चौंक, सर्कुलर रोड, जैन कॉलेज रोड, कोर्ट रोड, अम्बाला छावनी के गोल चक्कर, निकलसन रोड, छावनी बाजार सहित अन्य स्थानों पर आवारा पशुओं की भरमार रहती है।

जानिए क्यों जरूरी है लिवर हमारे शरीर के लिए

WHO की मानें तो लीवर की बीमारी भारत में मौतों की 10वीं सबसे बड़ी वजह है। यह हमारे शरीर का सबसे बड़ा अंग है और एक फैक्टरी की तरह काम करता है, जहां हम जो भी खाते हैं, वो प्रोसेस होता है। यह हमारे खाने के जरिए शरीर में पहुंचने वाले ग्लूकोज, फैट, वगैरह को प्रोसेस करता है। इसलिए यह हमारे शरीर का सबसे जरूरी अंग है, जो खाने को पचाने में मदद करता है। लिवर को जिगर या यकृत भी कहते हैं। 19 अप्रैल को World Liver Day के मौके पर आइए जानते हैं लिवर की सेहत के बारे में कुछ जरूरी बातें

मोटापे और डायबिटीज जैसी लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों का सबसे ज्यादा असर लिवर पर पड़ता है। इससे फैटी लिवर होने का खतरा भी बढ़ जाता है, जो लिवर के डिसफंक्शन और लिवर सिरोसिस का कारण बनता है। अगर आप डायबिटीज या हाई कोलेस्ट्रॉल जैसी समस्याओं के शिकार हैं, तो उन्हें लेकर सतर्क होना बेहद जरूरी है। डायबिटीज पर सख्त नियंत्रण बेहद जरूरी है, ताकि शुगर लेवल हाई होने की वजह से लिवर को होने वाले नुकसान से बचाया जा सके।

आपका खानपान ऐसा होना चाहिए, जिससे मोटापे या डायबिटीज के खतरे को कम किया जा सके। इसलिए फ्रीइड या फास्ट फूड का सेवन बेहद सीमित मात्रा में करना चाहिए।

अधिक मात्रा में शराब का सेवन लिवर के लिए काफी नुकसानदेह हो सकता है। 10 से 20 साल तक अधिक मात्रा में शराब का सेवन लिवर को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा सकता है।

स्मोकिंग से भी लिवर को काफी नुकसान पहुंचता है। धूम्रपान करने वालों में लिवर कैंसर के मामले अधिक देखने को मिलते हैं। सिगरेट में मौजूद तत्व कार्सोजेनिक (कैंसर कारक) होते हैं। इस मामले में पैसिव स्मोकर्स पर भी बराबर का खतरा होता है।

लिवर की बीमारी के अस्पष्ट कारणों में मितली लगना, भूख खत्म होना और वजन घटना शामिल है। लिवर बिगड़ने का सबसे शुरुआती लक्षण जॉनडिस या पीलिया होता है। हालांकि कभी-कभी लिवर डैमेज के लक्षण में जॉनडिस नहीं भी होता है। लिवर की सेहत पर नजर रखने के लिए liver function test कराने की सलाह डॉक्टर अक्सर देते हैं। आप चाहें तो साल में एक बार या कम से कम दो बार ब्लड टेस्ट कराकर लिवर को हो रहे नुकसान का पता लगा सकते हैं।

अनाज में जिंक की कमी से बढ़ रहा डायरिया, मलेरिया और निमोनिया का खतरा

जलवायु परिवर्तन से अनाज में जिंक (जस्ता) की मात्रा तेजी से घट रही है, जिसका सीधा असर हमारी सेहत पर पड़ रहा है। अध्ययन में दावा किया गया है कि अत्यधिक कार्बन उत्सर्जन के कारण अनाज में जिंक कम हो रहा है। जिंक की कमी से डायरिया, मलेरिया तथा निमोनिया जैसी बीमारियों का खतरा ज्यादा रहता है। जिंक शरीर के प्रतिरोधक तंत्र को दुरुस्त भी बनाए रखता है। मैथ्यू स्मिथ, अश्विनी छत्रे, सुपर्णा घोष और सैमुअल एस. म्येर्स द्वारा भारत पर किए गए अध्ययन के अनुसार, वर्ष 1983 में देश में जिंक की कमी के शिकार लोगों का प्रतिशत 17 था, जो 2012 में बढ़कर 25 फीसदी तक पहुंच गया। इसका मतलब यह हुआ कि इन तीन दशकों में 8.2 करोड़ और लोग जिंक की कमी के शिकार हुए।

रिपोर्ट में कहा गया कि वर्ष 2050 तक पांच फीसदी और भारतीय आबादी जिंक की कमी के चपेट में आ सकती है। वैज्ञानिकों ने इस अध्ययन में खाद्यान्न के उपभोग को लेकर 30 सालों के एनएसएसओ के आंकड़ों, देश के विभिन्न हिस्सों में सात परिवारों के खानपान के पैटर्न का अध्ययन करने के बाद यह नतीजा निकाला है। सभी प्रमुख अनाजों जिसमें चावल, गेहूं, मक्का, जौ तथा फलियां शामिल हैं, उच्च कार्बन उत्सर्जन से प्रभावित हो रही हैं। दक्षिणी भारत समेत देश के जिन हिस्सों में चावल का सेवन ज्यादा होता है, वे लोग जिंक की कमी के ज्यादा शिकार हुए हैं। वहीं शहरी आबादी में भी जिंक की कमी पाई जा रही है।

शरीर का पोषक तत्व

जिंक शरीर के लिए जरूरी आठ सूक्ष्म पोषक तत्वों में से एक है। यह शरीर में नहीं बनता है, बल्कि भोजन से ही शरीर को प्राप्त होता है।

इसलिए होती है कमी

कार्बन डाई आक्साइड पौधों के लिए जरूरी है। जितना कार्बन उत्सर्जन ज्यादा होगा, उतने ही पौधों की वृद्धि बेहतर होगी। पौधों की वृद्धि अच्छी हो रही है, लेकिन इससे अनाज के दानों की गुणवत्ता घट रही है।

कितनी कमी

रिपोर्ट के अनुसार, गेहूं, चावल, मक्का, जौ और फलियों में जिंक की कमी 5-11 फीसदी की दर्ज की गई है। यह तुलना 1983 से पहले के आंकड़ों से की गई है।

इस तरह हो समाधान

रिपोर्ट में समस्या का समाधान भी सुझाया गया है। इसके अनुसार, इस समस्या से निपटने के लिए भारत को दो उपाय करने होंगे। एक तो कार्बन उत्सर्जन में कमी लाई जाए। दूसरे, जिंक की कमी से निपटने के लिए राष्ट्रीय पोषण कार्यक्रम में जिंक को अलग से प्रदान करें।

रेसिपी

दही भल्ले

- पानी पूरी- आवश्यकतानुसार
- उबले आलू- 2
- चाट मसाला पाउडर- 1 चम्मच
- नींबू का रस- 1 चम्मच
- बारीक कटा प्याज- 2
- दही- 1/2 कप
- काला नमक- स्वादानुसार
- चीनी- 1 चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर- आवश्यकतानुसार
- चाट मसाला पाउडर- आवश्यकतानुसार
- हरी चटनी- 1/2 कप
- मीठी चटनी- 1/2 कप
- सेव- 1 कप

विधि

एक बाउल में आलू का छिलका छीलकर मैश करें। उसमें चाट मसाला और नींबू का रस डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। एक दूसरे बाउल में दही, काला नमक और चीनी डालकर अच्छी तरह से फेंट लें। सर्विंग प्लेट में पानी पूरी रखें और एक-एक करके सारी पानी पूरी के बीच में छेद करें। उसमें थोड़ा-थोड़ा आलू वाला मिश्रण डालें। ऊपर से थोड़ा-थोड़ा प्याज, दही, दोनों चटनियां, सेव, चाट मसाला, लाल मिर्च पाउडर और धनिया पत्ती डालें। तुरंत सर्व करें।

करेला चिप्स

- करेला- 4-5 (छीलें और गोल टुकड़ों में कटे)
- हल्दी पाउडर- आधा टीस्पून
- धनिया पाउडर- 2 टीस्पून
- सौंफ पाउडर- 2 टीस्पून
- अमचूर पाउडर- आधा टीस्पून
- नींबू का रस- 2 टीस्पून
- जीरा- आधा टीस्पून
- हींग -1 चुटकी
- नमक - स्वादानुसार
- सरसों का तेल - आवश्यकतानुसार

विधि

सबसे पहले करेले को नमक लगाकर करीब 20 मिनट तक रख दें। 20 मिनट के बाद करेले को अच्छी तरह से धोकर एक छलनी में निकाल लें, ताकि एक्स्ट्रा पानी निकल जाए। अब एक कड़ाही में सरसों का तेल डालकर गरम करें। जब तेल गरम हो जाए, तब इसमें करेले को डालकर चारों तरफ से पलटकर क्रिस्पी ब्राउन होने तक फ्राई कर लें और एक प्लेट में निकाल लें। अब एक पैन में तेल गर्म करें। फिर इसमें हींग और जीरा डालें। जब जीरा चटकने लगे, तब इसमें हल्दी पाउडर डालकर हल्का सा भून लें। अब गैस बंद कर दें और इसमें फ्राई किए हुए करेले, अमचूर पाउडर, नमक, सौंफ पाउडर, धनिया पाउडर और नींबू का रस डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें। करेले चिप्स को सर्विंग प्लेट में निकालें और सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना होगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती होगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व सामंजस्य काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और सामंजस्य बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय का लाभ लें। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में सफलता का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार होंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-2-4-7

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते): स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में असावधानी ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना होगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती होगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। अपने काम पर नजर रखिए। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): घर-प्रपंच में न पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। काम का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी कुचाल होगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। यात्रा से लाभ। शुभांक-1-3-5

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शिक्षा में किए गए कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-2-4-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शत्रुपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। यात्रा का योग है। आय के योग बनेंगे। शुभांक-4-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। गुरुजनों का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर चर्चा होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-4-6-7

लॉफिंग जोन

प्रेमी पति (पत्नी को खुश करने के लिए बोला)- डार्लिंग! अब झगड़ा बंद भी करो, मैं शांति के साथ रहना चाहता हूँ।
पत्नी- हाँ-हाँ, तो जाओ ना। रहो तुम अपनी शांति के साथ...! मैं भी अब अपने रमन के साथ रहना चाहती हूँ।

□ □ □

प्रेमी (पत्नी से)- आज तुम्हें मेरा बाँसुरी बजाना बुरा लगता है, लेकिन एक दिन मेरे बाँसुरी बजाने पर ही रीझ कर तुमने मुझसे शादी की थी।
पत्नी गुस्से से बोली- हाँ... की थी, लेकिन बाँसुरी बजाने पर रीझ कर नहीं, बल्कि यह सोच कर शादी की थी कि जिस तरह तुम बाँसुरी में फूँक मारते हो, उसी तरह मेरे घर का चूल्हा भी अच्छी तरह फूँकोगे।

□ □ □

कवि (पत्नी से), "तुम्हें पता होना चाहिए कि मैं वीर रस का कवि हूं और लोग मेरे बारे कहते हैं कि मैं अपनी कविताओं से संसार में आग लगा सकता हूं।"
पत्नी, अब अपनी प्रशंसा करना बंद करें और प्लीज जरा चूल्हे में आग जला दें।

काकुरो पहेली -4029

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणार्थ:

काकुरो -4028 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 4029

बायें से दायें:-
1. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की फिल्म-4
4. बी.आर. चोपड़ा की फिल्म "निकाह" की नायिका कौन थी-3
6. अशोककुमार, संजीवकुमार, सुमिता सान्याल की फिल्म-4
7. फिल्म 'चाँद का टुकड़ा' में श्रीदेवी के साथ नायक कौन था-4
9. अयूब खान, आयशा जुल्का की 'ओ साथिया रे ओ' गीत वाली फिल्म-3
11. 'आंख लड़ती है तो लड़ने दे' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा कोइराला की फिल्म-2
13. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-2
15. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-3
19. जॉन अब्राहम, उदिता गोस्वामी की 'जानी चाहती थे' गीत वाली फिल्म-4
19. 'रही रे रही क्या है पहेली' गीत वाली अभिषेक, बिपाशा, करीना की फिल्म-3
20. अक्षय, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख के' गीत वाली फिल्म-3
22. फिल्म 'पूरब और पश्चिम' का निर्माता निर्देशक, नायक कौन था-3
24. सुनीलदत्त, वहीदा, आशा पारेख की 'इतना न मुझसे तू प्यार बढ़ा' गीत वाली फिल्म-2
25. 'बम्मा बम्मा बल्ला' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, आरती छाबड़िया, मीना गोस्वामी, पल्लू की फिल्म-3
26. 'जिन्दगी है जिन्दगी में' गीत वाली फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-2
28. फिल्म 'राजाजी' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-3
31. अमिताभ, ऋषि, नीतू की 'आज रपट जाएं तो' गीत वाली फिल्म-3,3

ऊपर से नीचे:-
1. संजयदत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-3
2. बॉबी देओल, रानी की 'मिलने से डरता है दिल' गीत वाली फिल्म-3
3. 'गुड मॉर्निंग इंडिया' गीत वाली फिल्म-2
4. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ये जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली फिल्म-3
5. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-3
6. 'दिल में तुझ के प्यार का' गीतवाली फिल्म-3
7. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-3
8. देव आनंद, माला सिन्हा की 'उड़ी उड़ी उड़ी पंछी' गीत वाली फिल्म-2
10. 'मैया मैं पाक की' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-3
12. अजय, ममता कुलकर्णी, अतुल्या की 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली फिल्म-3
14. 'चोरों को सारे नजर' गीत वाली फिल्म-2,3
16. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की 'ये मेरे आहें मेरी' गीत वाली फिल्म-2
17. 'आज उनसे पहली मुलाकात होगी' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा की फिल्म-2,2
18. राकेश रोशन, जयाप्रदा की 'तुम संग प्रीत लगाई सजना' गीत वाली फिल्म-4
21. 'तुम्हें जिन्दगी के उजाले मुबारक' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीना कुमारी की फिल्म-3
23. प्रवीण, ऐश्वर्या राय की फिल्म-2
24. 'मैं हूं दीवाना' गीत वाली फिल्म-3
27. 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम 7-3
30. अमिताभ वाली संजय लीला की फिल्म जिसमें रानी मुखर्जी मूक-बधिर बनी है-3

फिल्म वर्ग पहेली-4028

सुडोकु -4029

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्गों में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सुडोकु -4028 हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

शब्द पहेली - 4029

बाएं से दाएं
1. असभ्यता, मूर्खता-4
3. निर्भय, बहादुर-3
5. प्याला-2
6. सहारा, शरण-3
7. माँ का भाई-2
9. सात वर्ष की अवधि-3
11. परतंत्रता, गुलामी-5
14. दानव, दैत्य-3
16. लूटपाट-4
17. वाद्य यंत्र-2
18. परछाई, छाया-2
19. आदत, स्वभाव (उर्दू-4)
23. जंगल, वन-3
24. सेंधमार-5
27. गजल लिखने वाला-3
28. मोटा आटा, सूजी-2
30. गुलिस्तां, बाग-3
31. एक ग्रह, शनिश्चर-2
32. दबाना, कुचलना-3
33. रोब वाला, ठसके वाला-4

ऊपर से नीचे
1. मंत्रों का पाठ-2
2. स्नेहहीन-4
3. अनूठा, अनोखा-3
4. लक्ष्मी, कमला-2
5. खौलना, रोना-4
6. एक पौधा, अकुवा, आकड़ा-2
8. दस, डॉमिनार-3
10. जमीकंद, एक सब्जी-3
12. धैर्य, संयम-3
13. अस्थमा-2
15. एक नायिका-3
17. वर्षा ऋतु-3
18. महोदय-3
20. पैदा, तला-2
21. पुत्र, बेटा-3
22. अवमानना-4
23. नास्तिक (उर्दू-3)
25. करामात-4
26. प्रतिज्ञा-3
27. ठाठ-बाट-2
29. अदालत में प्रस्तुत दावा-2
31. तीर, बाण-2

शब्द पहेली 4028 का हल

आईपीएल : लखनऊ नगर निगम चुनाव के कारण 3 मई को खेला जाएगा चेन्नई-लखनऊ मैच

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 में लखनऊ सुपर जायंट्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच खेले जाने वाले 46वें मैच, जो मूल रूप से गुरुवार 4 मई 2023 को लखनऊ में खेला जाना था, के कार्यक्रम में फेरबदल किया गया है। अब यह मैच बुधवार 3 मई 2023 को खेला जाएगा। आईपीएल द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि 4 मई को लखनऊ में होने वाले नगर निगम चुनाव को देखते हुए मैच के कार्यक्रम में फेरबदल किया गया है। हालांकि मैच के समय में कोई बदलाव नहीं किया गया है और यह मैच दोपहर साढ़े तीन बजे से ही शुरू होगा।

बता दें कि आईपीएल में अब तक खेले गए मैचों के बाद लखनऊ की टीम अंकतालिका में 6 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर है। लखनऊ ने 5 मैच खेले हैं, जिसमें से उसे तीन में जीत और दो में हार मिली है। वहीं, सीएसके की टीम तालिका में तीसरे स्थान पर है। सीएसके के भी 6 अंक हैं, लेकिन लखनऊ के नेट रन रेट बेहतर है। सीएसके ने 5 मैच खेले हैं. जिसमें से उसे तीन में जीत और दो में हार मिली है। राजस्थान की टीम अंक तालिका में 8 अंकों के साथ शीर्ष पर है। राजस्थान ने 5 मैच खेले हैं, जिसमें से उसे 4 में जीत मिली है और एक मैच में हार मिली है।

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता कोच वोंग भारतीय रिकर्व तीरंदाजी टीम के कोच बने

लंदन। भारत के अनिर्बान लाहिड़ी ने इंटरनेशनल सीरीज वियतनाम गोल्फ प्रतियोगिता के चौथे दौर में शनिवार को यहां आठ अंडर का शानदार कार्ड खेला और संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे। लाहिड़ी ने 20 लाख डॉलर (लगभग 16.37 करोड़ रुपये) इनामी एशियाई टूर के इस प्रतियोगिता के शुरूआती तीन दौर में 10 अंडर का स्कोर किया था। वह शनिवार को संयुक्त 13वें स्थान पर थे। अपने 18वें होल के खेल के बाद वह तालिका में शीर्ष पर पर पहुंच गये थे लेकिन जिम्बाब्वे के कीरान विंसेंट ने अपने 18वें होल में 12 फुट की दूरी से बर्डी लगाकर एक शॉट से जीत दर्ज की।विंसेंट ने छह अंडर 66 का कार्ड खेला जिससे उनका कुल स्कोर 19 अंडर का रहा। एस चिक्कारंगप्पा (सात अंडर 65) ने भी आखिरी दौर में शानदार प्रदर्शन किया लेकिन वह संयुक्त 27वें स्थान पर रहे। हनी बैसोया (68) ने सप्ताह की शुरुआत 65 के स्कोर साथ की लेकिन फिर 73 और 72 के स्कोर के कारण संयुक्त 40वें स्थान पर रहे। वीर अहलावत (69) संयुक्त 56वें, करणदीप कोचर (69) संयुक्त 61वें, जबकि कार्तिक शर्मा (73) और एसएसपी चौरसिया (75) संयुक्त 71वें स्थान पर रहे।

सुनीता गुप्ता रोलबॉल विश्वकप प्रतियोगिता में तकनीकी अधिकारी चयनित

वाराणसी। वाराणसी की सुनीता गुप्ता का चयन छठे रोलबाल विश्वकप में तकनीकी अधिकारी (रेफरी) के रूप में किया गया है। अंतरराष्ट्रीय रोलबॉल संघ द्वारा जारी सूची में सुनीता के चयन पर स्थानीय खिलाड़ियों ने खुशी जताई है।

मंगलवार को वाराणसी रोल खेल संघ की उपाध्यक्ष नीलू मिश्रा, रीना सिंह वाराणसी की टीम मैनेजर, एम भावना, विजय पांडेय, बृजेश सिंह, प्रदेश के रॉलबाल संघ के सचिव संतोष श्रीवास्तव ने शुभकामनाएं दी है। सुनीता 21 से 26 अप्रैल तक छत्रपति शिवाजी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स पुणे, महाराष्ट्र में आयोजित होने वाले रोलबॉल विश्वकप में तकनीकी अधिकारी व रेफरी की भूमिका अदा करेंगी।

सुनीता गुप्ता यूपी की पहली महिला है, जिन्हें रोलबॉल की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में तकनीकी अधिकारी के रूप में चयनित किया गया है। इससे पहले सुनीता गुप्ता उत्तर प्रदेश की रोलबॉल की पहली अंतरराष्ट्रीय महिला खिलाड़ी के रूप में चौथी रोलबॉल विश्वकप 2017 में स्वर्ण पदक विजेता भारतीय टीम का हिस्सा रह चुकी हैं। वर्तमान में सुनीता वाराणसी रोलबॉल संघ की सचिव व एनएसआईएस पटियाला द्वारा संचालित सर्टिफिकेट कोर्स की फैकल्टी सदस्य भी हैं। बनारस में इस खेल को बढ़ाने के लिए सुनीता कड़ी मेहनत कर रही है।

अभी 9 मैच बाकी हैं और हम सभी 9 मैच जीत सकते हैं : गांगुली

नई दिल्ली। आईपीएल 2023 में दिल्ली कैपिटल्स की शुरूआत बेहद खराब रही है। टीम अभी तक खेले शुरूआती 5 मैच लगातार गंवा चुकी है। ओपनर पृथ्वी शॉ अपनी लय हासिल नहीं कर पाए हैं। कप्तान डेविड वार्नर के साथ सिर्फ अक्षर पटेल ही फिलहाल टीम के लिए अधिक रन बनाते नजर आए। अब टीम के लिए अंतिम चार में प्रवेश करना मुश्किल भरा लग रहा है, लेकिन इस बीच दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक सौरव गांगुली को भरोसा है कि उनकी टीम अभी भी बचे सभी 9 मैचों में जीत दर्ज कर सकती है।

गांगुली ने टीम मेंबर्स से कहा, 'अब हमें इससे आगे बढ़ने की जरूरत है। कप्तान और एक-दूसरे का समर्थन करना होगा ताकि हम नए सिरे से वापसी कर सकें। हम ज्यादा खराब प्रदर्शन नहीं कर सकते। अभी भी 9 मैच बाकी हैं

और हम 9 में से 9 मैच जीत सकते हैं। फर्क नहीं पड़ता कि हम क्वालीफाई करते हैं या नहीं आगे बात करते हुए गांगुली ने कहा, 'इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम क्वालीफाई करते हैं या नहीं। इस स्तर पर हमारे लिए इतना मायने नहीं रखता है, लेकिन अपने गौरव के लिए बेहतरक खेलें। देखें कि क्या हम वहां पहुंच सकते हैं। फिलहाल मैदान पर जो कुछ हो रहा है, हम उससे कहीं बेहतर टीम हैं। हम वापसी कर सकते हैं, बस एक अच्छे मैच की जरूरत है और हम ऐसा कर लेंगे।' साथ ही उन्होंने कहा, 'डेविड वॉर्नर कप्तान हैं और वह टीम के सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं। उन्हें सबसे कठिन काम मिला है। हम साथ रहेंगे और बेहतर तरीके से वापसी करेंगे।'

आईडब्ल्यूएल 2023 सीज़न के कार्यक्रम की घोषणा, 26 अप्रैल से होगी लीग की शुरुआत

नई दिल्ली। भारतीय महिला फुटबॉल लीग (आईडब्ल्यूएल) 2023 सीज़न के कार्यक्रम की घोषणा कर दी गई है। लीग की शुरुआत 26 अप्रैल से होगी। सभी मैच अहमदाबाद के दो स्टेडियमों - ट्रांसस्टेडिया और शाहीबाग पुलिस स्टेडियम में सुबह 8 बजे और शाम 4.30 बजे से आयोजित किए जाएंगे।

अखिल भारतीय फुटबॉल संघ (एआईएफएफ) ने सोमवार को लीग चरण के कार्यक्रम जारी किए। लीग के पहले दो मैच ट्रांसस्टेडिया में मिसाका यूनाइटेड एफसी और माता रुक्मणी व शाहीबाग में होप्स एफ सी और स्पोर्ट्स ओडिशा के बीच खेले जाएंगे। दोनों मैच एक ही समय सुबह 8 बजे खेले जाएंगे।

लीग चरण का अंतिम मैच 13 मई को खेला जाएगा,, नॉकआउट चरणों का कार्यक्रम अभी घोषित नहीं किया गया है।

आईडब्ल्यूएल 2023 में 16 टीमें लीग में भाग लेंगी, जो आठ के दो समूहों में प्रतिस्पर्धा करेंगी। ग्रुप ए में दो बार की डिफेंडिंग चैंपियन गोकुलम केरल, ईस्ट बंगाल, एचओपीएस, कहानी, माता रुक्मणी, मिसाका यूनाइटेड, मुंबई नाइट्स और स्पोर्ट्स ओडिशा शामिल हैं। ग्रुप बी में सेल्टिक क्वीस, सीआरपीएफ, चर्चिल ब्रदर्स, ईस्टर्न स्पोर्टिंग यूनियन, किकस्टार्ट, लॉर्ड्स एफए, ओडिशा एफसी और हैवीवेट्स सेतु की टीमें हैं। 16 क्लबों में से चार ईस्ट बंगाल, ओडिशा गोकुलम केरल और चर्चिल ब्रदर्स हैं, जो क्रमशःदो शीर्ष पुरुष डिवीजनों इंडियन सुपर लीग और आई-लीग में हिस्सा लेती हैं।

सैमसन के राशिद के खिलाफ लगातार तीन छक्कों ने मैच का रुख बदल दिया: संगकारा

अहमदाबाद। राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच कुमार संगकारा का मानना है कि गुजरात टाइटंस के खिलाफ विपरीत परिस्थितियों में कप्तान संजू सैमसन के द्वारा दिग्गज लेग स्पिनर राशिद खान के खिलाफ लगाए गए लगातार तीन छक्कों ने यहां इंडियन प्रीमियर लीग मैच का रुख मोड़ दिया। सैमसन (32 गेंदों में 60 रन) ने जीत के लिए 178 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 13वें ओवर में राशिद की गेंद पर लगातार तीन छक्के जड़कर जरूरी रन गति को कम कर दिया।

राजस्थान ने रविवार को चार गेंद शेष रहते इस मैच को जीत लिया। टीम के लिए शिमरोन हेटमायर ने 26 गेंदों पर नाबाद 56 रन बनाए। राजस्थान रॉयल्स के सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में संगकारा ने सैमसन से

कहा, '' आपने हमें पावर प्ले के दौरान मुश्किल परिस्थितियों से बाहर निकालने के साथ राशिद खान ने ओवर जो किया वह मैच का रुख बदलने वाला था। राशिद उनका सबसे अच्छा गेंदबाज है, कुछ लोग कहते हैं कि वह टी20 में दुनिया का सबसे अच्छा स्पिनर है। वह इससे अचंभित हो गया।' सैमसन और हेटमायर ने 27 गेंदों पर 59 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी कर मैच में टीम की वापसी करायी। इसके बाद हेटमायर ने ध्रुव जुरेल (10 गेंदों में 18 रन) के साथ 20 गेंदों पर 47 रन जोड़कर राजस्थान रॉयल्स को लक्ष्य के करीब पहुंचाया। श्रीलंका के पूर्व कप्तान और महान बल्लेबाज संगकारा ने कहा, ''यह दिखाता है कि जब आप मैदान पर होते हैं, तो कुछ भी संभव है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि राशिद खान, शेन वार्न या मुथैया मुरलीधरन का सामना कर रहे हो। हम गेंद को खेलते है, गेंद करने वाले खिलाड़ी को नहीं। फिर से कहना चाहूंगा कि आपने अपनी पारी को शानदार ढंग से अंजाम दिया।'

रुबलेव ने जीता मोंटे कार्लो मास्टर्स

मोंटे कार्लो। रूस के आंद्रे रुबलेव ने मोंटे कार्लो मास्टर्स के फाइनल में डेनमार्क के होल्गर रूने को हराकर अपने करियर का पहला मास्टर्स 1000 खिताब जीत लिया है। पांचवीं सीड रुबलेव ने रविवार

को एक घंटे 34 मिनट तक चले मुकाबले में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए रूने को 5-7, 6-2, 7-5 से मात दी। रुबलेव निर्णायक सेट में भी 1-4 से पिछड़े हुए थे लेकिन उन्होंने एक बार फिर वापसी करके अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। रुबलेव ने इस जीत के बाद कहा, 'मैं नहीं जानता कि मैं क्या कहूं। (निर्णायक सेट में) 1-4, 0/30 से पीछे चल रहा था, ब्रेक पॉइंट बचा रहा था, यह सोचकर कि जीतने का कोई मौका नहीं है। लेकिन किसी तरह मैंने इसे कर दिखाया।' रुबलेव ने 2021 में भी मोंटे कार्लो मास्टर्स में जगह बनायी थी लेकिन तब उन्हें स्टेफानोस सितसिपास के हाथों हार मिली थी। उन्होंने कहा, 'मैं अंदर से उम्मीद कर रहा था कि मेरे पास एक मौका होगा, इसलिये अंत तक खेलना होगा। मुझे पिछला फाइनल याद है, और जब मैं हार रहा था, तो मुझे लगा कि मेरे पास कोई मौका नहीं है। लेकिन आज मैंने सोचा,'बस अंत तक विश्वास रखें', और यही मैं तीसरे सेट में करने की कोशिश कर रहा था।' यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद अपने राष्ट्रीय ध्वज से वंचित 25 वर्षीय रुबलेव ने दर्शकों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, 'जिस देश से मैं आता हूं, वहां से आकर इस तरह का अंतरराष्ट्रीय समर्थन प्राप्त करना बहुत बड़ी बात है।'

सीएसके मुश्किल से जीती मैच, धोनी बोले - मैं परिणाम की बजाय क्या किया जाना चाहिए यह सोचता हूं

बैंगलोर। आईपीएल 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स ने रॉयल्स चैलेंजर्स बैंगलोर को रोमांचक मैच में 8 रनों से मात दी। सीएसके ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 227 रनों का लक्ष्य रखा था, जिसके जवाब में आरसीबी 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 218 रन ही बना पाई। हालांकि, बैंगलोर इस मैच में जीत के एकदम करीब पहुंच चुकी थी, लेकिन सीएसके की शानदार गेंदबाजी ने यह लक्ष्य आखिरी ओवर में डिफेंड करने में अहम भूमिका निभाई। इस जीत के बाद सीएसके के कप्तान एमएस धोनी ने कहा कि वह मैच के परिणाम की बजाय क्या करना चाहिए इस पर ज्यादा ध्यान देते है।

धोनी ने कहा, 'बैंगलोर का

यह एक अच्छा विकेट है। आईपीएल के शुरुआती हिस्से में आपको काफी ओस मिलती है। आप अच्छी शुरुआत करना चाहते हैं और फिर आपके दिमाग में जो कुछ भी है उसे बदलना चाहते हैं। शुरुआत में यह थोड़ा पेचीदा था। पहले थोड़ा महत्व देने की जरूरत थी और फिर तेजी लाने के लिए देखें।

हमने इसे सरल रखा और पारी के दूसरे हाफ में जितना संभव हो सके उतने रन बनाने की कोशिश की। शिवम दुबे एक ऐसा व्यक्ति है जो क्लीन हिट कर सकता है। उसे तेज गेंदबाजों से समस्या है, लेकिन स्पिनरों के खिलाफ वह क्लीन हिटर है। हमारे पास उसके लिए कुछ योजनाएं थीं लेकिन दुर्भाग्य से जब वह शिविर में आया तो वह चोटिल हो गया था इसलिए हम उसके साथ काम नहीं कर सके।' उन्होंने आगे कहा, ' जब भी आप 220 रन बनाते हो तो बल्लेबाजों को हिट करते रहना होता है। अगर फाफ डु प्लेसिस और ग्लेन मैक्सवेल खेलते रहते तो 18वें ओवर तक जीत हासिल कर लेते। मैं विकेट के पीछे से आकलन करता रहता हूं, मैं हमेशा इस बात में शामिल रहता हूं कि परिणाम के बारे में सोचने के बजाय क्या किया जाना चाहिए। युवाओं के लिए यह मुश्किल होता है, खासकर साल के इस समय जब ओस चारों ओर होती है।

आखिरी पलों में RCB हारी मैच, कप्तान डु प्लेसिस बोले - हम यह काम करने की जरूरत है

बैंगलोर। आईपीएल 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स ने रॉयल्स चैलेंजर्स बैंगलोर को रोमांचक मैच में 8 रनों से मात दी। सीएसके ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 227 रनों का लक्ष्य रखा था, जिसके जवाब में आरसीबी 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 218 रन ही बना पाई। इस हार के बाद आरसीबी के कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने कहा कि टीम अंत में मैच को अच्छे से फिनिश नहीं कर पाई और बीच के ओवरों में बल्लेबाजों को स्पिनरों के खिलाफ कड़ी मेहनत करने की जरूरत है। क्या आप न्यूज एंकर श्वेता सिंह की सालाना आय जानते हैं? डु प्लेसिस ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमने मैच पूरी तरह से खेला, आखिरी पांच ओवर फिनिश के लिए निर्धारित किए गए थे। दिनेश कार्तिक मैच को अच्छी तरह से अंत कर रहे थे, चेन्नई ने अच्छी गेंदबाजी की ।

चेन्नई को मिली एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी की मेज़बानी

नई दिल्ली। पुरुष हॉकी एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी 2023 का आयोजन तीन से 12 अगस्त के बीच चेन्नई में किया जायेगा। हॉकी इंडिया ने इसकी घोषणा की। यह इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का सातवां आयोजन है जो सितंबर में चीन के हांगझोऊ में होने वाले एशियाई खेलों की तैयारी के लिये महत्वपूर्ण होगा। तमिलनाडु के युवा कल्याण और खेल विकास मंत्री उधयनिधि स्टालिन ने टूर्नामेंट में भाग लेने वाली टीमों का स्वागत करते हुए कहा, ''तमिलनाडु के चेन्नई में हीरो एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी 2023 की मेजबानी करना वास्तव में बहुत खुशी और सम्मान की बात है। यह जगह कभी दक्षिण भारत में हॉकी की राजधानी हुआ करती थी जहां कई प्रतिष्ठित घरेलू और अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित किये जाते थे।%%

उन्होंने कहा, ''मुझे यह देखकर बहुत खुशी हो रही है कि राज्य में इस खेल को फिर से पुनर्जीवित किया जा रहा है और भारतीय टीम की युवा सनसनी एस कार्ती

सहित कई युवा खिलाड़ी राज्य से निकल रहे हैं। मेरा मानना ??है कि यहां एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी 2023 की मेजबानी से इस क्षेत्र में खेल में और जान आएगी और एशिया की शीर्ष टीमों को देखने से युवा पीढ़ी भी हॉकी को करियर के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित होगी।' चेन्नई ने आखिरी बार 2007 में एशिया कप के रूप में एक अंतरराष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता की मेजबानी की थी। भारत ने इस आयोजन के फाइनल में कोरिया को 7-2 से हराकर खिताब जीता था। भारतीय पुरुष टीम ने 2011 में आयोजित एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी के उद्घाटन संस्करण में और 2016 में खिताब जीता था। ओमान के मस्कट में आयोजित 2018 के फाइनल की कार्यवाही प्रभावित होने के बाद भारत और पाकिस्तान संयुक्त विजेता रहे थे।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ दिलीप टिर्की ने टूर्नामेंट की मेजबानी का मौका देने के लिये उधयनिधि स्टालिन और एशियाई हॉकी महासंघ (एएचएफ) के प्रति आभार व्यक्त किया। डॉ टिर्की ने कहा, ''मुझे एफआईएच ओडिशा हॉकी पुरुष विश्व कप भुवनेश्वर-राउरकेला के दौरान उनके साथ बातचीत करने का सम्मान मिला और हॉकी के लिए उनके उत्साह और जुनून को देखना बहुत उत्साहजनक था। मैं इस अवसर के लिये एएचएफ को भी धन्यवाद देता हूं। एशिया की सभी शीर्ष टीमों को भारत आये और यहां भाग लेते हुए काफी समय हो गया है। मेरे पास चेन्नई में खेलने की बहुत अच्छी यादें है और हमें उम्मीद है कि वहां के लोग भाग लेने वाली टीमों का समर्थन करने के लिये बड़ी संख्या में स्टेडियम आएंगे।'

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, 'हॉकी इंडिया के अधिकारियों ने पहले ही चेन्नई में आयोजन स्थल का दौरा कर लिया है और एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी चेन्नई 2023 की चल रही तैयारियों पर ध्यान दिया है। पिछले एक दशक में तमिलनाडु ने विभिन्न आयु-वर्गों में कई महत्वपूर्ण हॉकी इंडिया राष्ट्रीय चैंपियनशिप की मेजबानी की है और हम अंतरराष्ट्रीय हॉकी मैचों को देश के अन्य राज्यों में ले जाने के इच्छुक थे। मुझे यकीन है कि सभी हितधारकों के समर्थन से हम एक सफल और यादगार कार्यक्रम को अंजाम दे सकेंगे।'

आईपीएलः विराट कोहली पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना

बैंगलोर। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के बल्लेबाज विराट कोहली पर आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। कोहली पर यह जुर्माना सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 में एम चिन्नास्वामी स्टेडियम, बेंगलुरु में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान लगाया गया। कोहली ने आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के तहत स्तर 1 के अपराध को स्वीकार कर लिया है। आचार संहिता के स्तर 1 के उल्लंघन के लिए, मैच रेफरी का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी है।

गरीब क्रिकेटरों के लिए मसीहा बने रिंकू सिंह, नेक काम कर जीता करोड़ों लोगों का दिल

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स के स्टार बल्लेबाज रिंकू सिंह गरीब क्रिकेटरों के लिए मसीहा बने हैं। उन्होंने एक ऐसा नेक काम किया है, जिससे उन्होंने करोड़ों लोगों का दिल जीत लिया। रिंकू कभी गरीबी से झूझते थे। उनके घर में आर्थिक तंगी थी, लेकिन जैसे-तैसे इस क्रिकेटर ने क्रिकेट की दुनिया में अपनी नई पहचान बनाई। अब रिंकू के हालात पहले जैसे नहीं रहे हैं। उनके पास पैसों की कमी नहीं। इस बीच अब उन्होंने अपने पैसों से गरीब युवा खिलाड़ियों के लिए अलीगढ़ में एक हॉस्टल तैयार करने फैसला लिया।

तैयारियां जोरों से

हॉस्टल बन रहा है। उसकी तैयारियां जोरों से हैं। यहां उन खिलाड़ियों को अपना सपना पूरा करने का चांस मिलेगा जो पैसों की तंगी के चलते आगे नहीं बढ़ सकते। इसकी जानकारी रिंकू के बचपन के कोच मसूदज जफर अमिनी ने इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए दी। जफर 'वह हमेशा ऐसे युवा खिलाड़ियों के लिए एक हॉस्टल बनाना चाहता था, जिनके पास अपने सपनों को आगे बढ़ाने के लिए पैसे नहीं थे। अब रिंकू

आर्थिक रूप से मजबूत हो गया है। उसने अब तंगी से गुजरने वाले युवाओं के सपने को साकार करने का फैसला लिया है।'

हर कमरे में रहेंगे इतने खिलाड़ी

बता दें कि स हॉस्टल में 14 कमरे तैयार किए जा रहे हैं। प्रत्येक कमरे में 4 खिलाड़ियों के रहने की सुविधा रहेगी। साथ ही साथ ही इसमें एक शेड और मंडप भी बनाया जा रहा है। अलग वॉशरूम भी बन रहे हैं। कैंटीन की व्यवस्था भी अंदर ही की जा रही है। इस पर करीब 50 लाख रुपए खर्च होंगे और पूरा खर्च रिंकू द्वारा उठाया जा रहा है। रिंकू ने केकेआर में शामिल होने से पहले लगभग तीन महीने पहले काम शुरू किया था।

आईपीएल से लौटने के बाद करेंगे उद्घाटन

हॉस्टल का करीब 90 फीसदी काम हो चुका है। अगले महीने तक यह बनकर तैयार हो जाएगा। रिंकू अभी आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेल रहे हैं। वह जैसे ही आईपीएल से लौटेंगे तो इसका उद्घाटन करेंगे। बता दें कि रिंकू ने 2016 में रणजी ट्रॉफी में डेब्यू किया था। फिर उन्हें किंग्स इलेवन पंजाब द्वारा चुना गया था, लेकिन 2018 में उन्हें केकेआर ने 80 लाख की कीमत में खरीदा था और तब से केकेआर से जुड़े हुए हैं। कुल मिलाकर रिंकू ने 2017 और 2023 के बीच आईपीएल से लगभग 4 करोड़ 40 लाख कमाए हैं। इस सीजन में अब तक उन्होंने खेले 5 मैचों में 58 की औसत से 174 रन बनाए हैं। वह 13 छक्के भी लगा चुके हैं।

ACTION INDIA

एक्शन इंडिया

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

Front Page - 2

एक्शन इंडिया ▸ देहरादून ▸ 19 अप्रैल 2023 ▸ पृष्ठ 08 ▸ आरएनआईः UTTHIN / 2009 / 31653

अतीक के पुश्तैनी इलाके में सन्नाटा...

खंडहर हो चुकी हवेली, भूख से बेहाल पालतू कुत्ते, हर 500 मीटर पर बुलडोजर से गिरे घर

टीम एक्शन इंडिया/प्रयागराज

अतीक-अशरफ हत्याकांड के बाद प्रयागराज में उसके पुश्तैनी इलाके चकिया और कसारी-मसारी में 48 घंटे कैसे बीते? पुश्तैनी इलाका इसलिए कह रहे हैं, क्योंकि ये वही इलाका है, जहां अतीक-अशरफ पैदा हुए, विधायक बने और दफनाए गए। यहीं की इलाहाबाद पश्चिमी सीट से अतीक 5 बार और अशरफ एक बार विधायक चुना गया। प्रयागराज रेलवे स्टेशन से 4 किमी दूर अतीक के हवेलीनुमा पुश्तैनी मकान पहुंचे, जो अब खंडहर में तब्दील हो चुका है। अहाते और सड़क पर पुलिस तैनात है। अंदर बाड़े में बंद अतीक के पाले 2 कुत्ते हैं। दोनों भूखे हैं। किसी की आहट पाते ही भौंकने लगते हैं। चकिया से कसारी तक करीब हर 500 मीटर पर एक-एक खंडहरनुमा घर हैं। ये घर अतीक के गुर्गों के हैं, जिन्हें बुलडोजर से

गिराया गया है। गलियों में सन्नाटा है। हम लोग बढ़ रहे थे, तभी एक घर की खिड़की के अंदर से आवाज आई। जो है ठीक है, लेकिन जो हुआ वो ठीक नहीं है। हमने पूछा बाहर आकर कुछ बोलिए...लेकिन फिर वे न बाहर आए न कोई जवाब आया। अतीक-अशरफ को जिस कॉल्विन हॉस्पिटल के गेट पर शनिवार रात को गोलियां मारी गई थीं। यह इलाका कभी अतीक का गढ़ हुआ करता था। अतीक के पुश्तैनी मकान से बमुश्किल 2 से 3 किमी दूर है। स्थानीय लोग बताते हैं कि अतीक का काफिला पहले जब यहां से गुजरता था, तो सड़क के दोनों तरफ लोग खड़े होकर सलाम बोलते थे। उसकी हत्या के बाद यहां दुकानों के शटर गिरे हुए हैं। बाजार में सन्नाटा पसरा है। इंटरनेट शटडाउन है। ऐसा लग

खंडहर बना मकान

खंडहर में पड़ी पुरानी साइकिल, लोहे के रॉड तक ले जाने की किसी ने हिम्मत नहीं की

रहा कि मानो सुबह ही नहीं हुई। कॉल्विन से चकिया की ओर बढ़ते हैं, तो एक से डेढ़ किमी की दूरी पर एक हवेलीनुमा ढहा मकान दिखता है। पूछने पर पता चलता है कि यह अतीक का दफ्तर था। जिसे प्रशासन ने गिरवा दिया। बगल में खड़ा एक शख्स तेज आवाज में कहता है, नहीं ये अतीक का टॉर्चर रूम था। यहीं पर अतीक लोगों को बंधक बनाकर रखता था। उमेश पाल को जब किडनैप किया था न, तो यहीं पर रखा था। अभी भी खंडहर के ऊपर अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन का नीले रंग का पोस्टर और बसपा का झंडा लहरा रहा है। अतीक अहमद इसी की बालकनी से निकलकर लोगों का सलाम कबूल करता था। यहां से आगे बढ़ते हैं तो लगने लगता है कि चकिया में एंट्री हो चुकी है। कदम-कदम पर फोर्स। जगह-जगह बैरिकेडिंग। हर 500 मीटर पर एक मकान पर बुलडोजर चला हुआ। ये अतीक और उनके गैंग से जुड़े लोगों के घर हैं, जो 2017 में योगी सरकार के आने के बाद गिराए गए हैं। ऑफिस से डेढ़ से 2 किमी आगे आने पर अतीक का पुश्तैनी घर है। वहां अब बस घर के निशान हैं, लेकिन आकार किसी शाही हवेली जैसा दिखता है। अतीक के रुतबे का अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि खंडहर में पड़ी पुरानी साइकिल, लोहे के रॉड तक ले जाने की किसी ने हिम्मत नहीं की। आसपास के लोग बिना कैमरे में सामने आए बताते हैं कि यहीं पर अतीक की अदालत लगती थी।

पूर्व सीएम कमलनाथ ने लाड़ली बहना योजना पर साधा निशाना

शिवराज सरकार को चुनाव के समय आ रही माताओं-बहनों की याद

आरोप लगाया

जब पिछले 18 सालों में प्रदेश महिला अत्याचार में नंबर एक था तब इन्हें लालड़ी बहनों की याद क्यों नहीं आई?

टीम एक्शन इंडिया/भोपाल

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने एक बार फिर प्रदेश सरकार की लाड़ली लक्ष्मी योजना पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि चुनाव पहले शिवराज सरकार को महिला वोट लेने के लिए लाड़ली बहनों की याद आ रही है। जब पिछले 18 सालों में प्रदेश महिला अत्याचार में नंबर एक था तब इन्हें लालड़ी बहनों की याद क्यों नहीं आई? वहीं कमलनाथ ने एक बार फिर कांग्रेस सरकार बनने पर माताओं बहनों को 1500 रुपये प्रतिमाह देने का वादा भी दोहराया। कमलनाथ ने मंगलवार को जारी अपने बयान में शिवराज सरकार

पर आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले 18 सालों से प्रदेश में भाजपा की सरकार है और महिला अत्याचार एवं बलात्कार के मामले में प्रदेश निरंतर देश में नम्बर एक स्थान पर रहा है। 18 साल में भाजपा सरकार को महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा की याद नहीं आई, पर अब चुनाव सामने दिखने लगे हैं तो चुनाव के 4-6 महीने पहले लाड़ली बहनों की याद आ रही है। कमलनाथ ने कहा कि प्रदेश की आम जनता और बहन बेटियां सच्चाई अच्छे से समझती हैं और गुमराह नहीं होगी। कमलनाथ ने कहा कि योजना की घोषणा होने के बाद से अब तक कई इवेंट हो गये। करोड़ों रुपए खर्च कर दिये गये पर आज तक 1 रुपया किसी बहन बेटी को नहीं मिला है। अपनी पार्टी के प्रचार के लिए अपने आयोजनों को सरकारी जामा पहनाकर इवेंटबाजी करने का खर्चा करदाताओं की जेब से काट रही है।

'नाकामियां छुपाने को नए-नए मुद्दे उछाल रही भाजपा'

टीम एक्शन इंडिया/लखनऊ

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में विकास के सभी काम ठप हैं। जनहित की योजनाओं पर या तो ताला लगा है अथवा उनमें जानबूझकर देरी की जा रही है। भाजपा के संकल्प पत्र के तमाम वादे अब रद्दी में तब्दील हो गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार अपनी नाकामियां छुपाने के लिए नित नए-नए मुद्दे उछाल रही है। अखिलेश ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि कालीन की विश्व प्रसिद्ध नगरी ज्ञानपुर में जलजीवन मिशन योजना सुस्त पड़ी हुई है। अगस्त 2019 में इस मिशन की शुरूआत हुई थी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 989 राजस्व गांवों में अब तक एक भी गांव में पानी की आपूर्ति नहीं हो सकी है। नई टंकियों का निर्माण अधूरा है। सड़कों के गड्ढे भरे जाने की तारीख पर तारीख घोषित होती रही, लेकिन वास्तविकता में कोई बदलाव नहीं आया है। तमाम सड़कें ऊबड़खाबड़ पड़ी हैं, जिस पर आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। भदोही में डेडलाइन पूरी हो जाने के बाद भी जलजीवन मिशन के तहत पेयजल टंकी का काम अधूरा है। अप्रैल में 40 गांवों

साधा निशाना

ऐसे अपराधी जिन्होंने पूर्व की सरकारों के संरक्षण में अपराध का पूरा नेटवर्क खड़ा कर लिया था

तक पानी पहुंचाने का दावा खोखला साबित हो रहा है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि बिजली कटौती से किसानों की मक्का की फसल प्रभावित हो रही है। बिजली की समस्या से किसान परेशान है। सिंचाई नलकूपों में बिजली मुश्किल से 4-5 घंटे मिल रही है। सपा सरकार में बिजली उत्पादन और वितवरण की जो व्यवस्था बनी थी, वह भाजपा सरकार में बर्बाद हो गई। बिजली वितरण व्यवस्था चरमरा गई है। बिजली कटौती से जनता परेशान है।

उत्तराखंडः विधर्मियों की गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग

टीम एक्शन इंडिया/ऋषिकेश

श्री तपस्थली ब्रह्मपुरी आश्रम में जुटे संतों ने गंगा की अविरलता, को बनाए रखने के साथ राज्य में बढ़ रहे सरकारी भूमि पर कब्जों, विधर्मियों के भूमि जिहाद, लव जिहाद समेत कई मुद्दों पर मंथन कर धामी सरकार के निर्णय का समर्थन किया। उन्होंने इस प्रकार की गतिविधियों को संचालित करने वाले लोगों के विरुद्ध भी आवश्यक कदम उठाए जाने का भी प्रस्ताव पारित किया। मंगलवार को महामंडलेश्वर दयाराम दास महाराज की अध्यक्षता में भाजपा के पूर्व थिंक टैंक रहे आचार्य गोविंदाचार्य ने गंगा की अविरल धारा और स्वच्छता बनाए रखने के लिए जन जागरण किए

जाने का आह्वान करते हुए कहा कि गंगा हमारी जीवन रेखा है, जिसे बचाए जाने के लिए सभी को प्रयास करने होंगे। उन्होंने गंगा किनारे के शहरों में बिकने वाले मांस मदिरा को भी पूरी तरह प्रतिबंधित कर तीर्थों की गरिमा को बनाए रखने के लिए राज्य सरकार से भी आह्वान किया। महामंडलेश्वर ईश्वर दास महाराज ने भी गोविंदाचार्य की बात का समर्थन करते हुए कहा कि इस अभियान में सरकार के किए जा रहे ये प्रयास तब तक सफल नहीं होंगे, जब तक कि लोगों की इस कार्य में

मंथन

गंगा हमारी जीवन रेखा है, जिसे बचाए जाने के लिए सभी को प्रयास करने होंगे: आचार्य गोविंदाचार्य

सहभागिता नहीं होगी। उन्होंने कहा कि गोविंदाचार्य ने 2020 में इसी जगह से गंगा की अविरलता को बचाए रखने के लिए एक यात्रा शुरू की थी। महामंडलेश्वर दयाराम दास महाराज ने बताया कि मंथन बैठक में कई बिंदुओं पर संत समाज ने चर्चा की। इसमें प्रमुख रूप से विषय था कि निर्मल गंगा अविरल गंगा में जो गंदगी फैलाकर नदी को गंदा कर रहे हैं, उसको कैसे रोकें।

उ. बिहार में अब तक चमकी बुखार के 12 मामले मिले

टीम एक्शन इंडिया/पटना

उत्तर बिहार में मासूम बच्चों के लिए चमकी बुखार काल बनता जा रहा है। पीड़ितों का आंकड़ा दिन प्रतिदिन बढ़ रहा है। अब तक पीड़ित बच्चों की संख्या 12 हो गई है। राज्य का स्वास्थ्य विभाग चमकी बुखार से बच्चों को बचाने के लिए लोगों को जागरूक करने का अभियान चला रहा है। इस वर्ष पहला केस पूर्वी चंपारण जिले से 16 जनवरी को एसकेएमसीएच पहुंचा था। एसकेएमसीएच के आंकड़ों की मानें तो अब तक मोतिहारी से एक, सीतामढ़ी से एक और मुजफ्फरपुर से 10 केस सामने आए हैं। सबसे अच्छी बात है कि सभी 12 बच्चे ठीक होकर वापस घर जा चुके हैं। इलाके में गर्मी प्रचंड हो रही है, ऐसे में बच्चों का ख्याल ज्यादा रखना जरूरी है। पूर्व के वर्षों का अध्ययन करें तो जैसे-जैसे गर्मी अपना रौद्र रूप धारण करती है, वैसे-वैसे इस बीमारी से पीड़ित बच्चों की संख्या बढ़ने लगती है। मुजफ्फरपुर जिले में स्वास्थ्य विभाग ने तरह-तरह के जागरूकता कार्यक्रम चलाए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को अपने बच्चों को तेज धूप में बाहर नहीं निकलने देने, कोई जूठा फल ग्रामीण इलाकों के बगीचे से ना खाने की सलाह दी है।

बेलारूस में रूस को नहीं करने दी जाएगी हथियारों की तैनाती

टीम एक्शन इंडिया/टोक्यो

जी-7 देशों ने फैसला लिया है कि रूस को बेलारूस में हथियारों की तैनाती नहीं करने दी जाएगी। जापान के नागानो में चल रही जी-7 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के बेलारूस में हथियार तैनात करने के फैसले की निंदा भी की गयी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने हाल ही में ऐलान किया था कि यूक्रेन से सटे बेलारूस में रूस के परमाणु हथियार तैनात किए जाएंगे। राष्ट्रपति पुतिन ने यूरोप का जिक्र करते हुए कहा था कि अमेरिका ने यूरोप में कई जगहों पर अपने परमाणु हथियार रखे हैं, उसकी तुलना में उनका ये कदम परमाणु निरस्त्रीकरण समझौतों का उल्लंघन नहीं होगा। इस फैसले को जी-7 देशों ने स्वीकार नहीं किया है।

जापान के नागानो में स्थित करुइजावा में जी-7 देशों अमेरिका, इंग्लैंड, जापान, इटली, जर्मनी, फ्रांस व कनाडा के विदेश मंत्रियों ने बेलारूस में रूस के हथियार तैनात करने की घोषणा की निंदा की।

सैन्य धाम निर्माण कार्यों में लाएं और तेजीः धामी

टीम एक्शन इंडिया/देहरादून

मुख्यमंत्री ने कहा कि सैन्यधाम के निर्माण कार्यों में और तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि सैन्य धाम का स्वरूप भव्य और दिव्य होने के साथ उत्तराखंड की झलक भी दिखना चाहिए। मंगलवार को सचिवालय में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सैन्य धाम (शौर्य स्थल) कल गठित उच्च स्तरीय समिति की बैठक ली। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि सैन्य धाम का स्वरूप भव्य एवं दिव्य हो, इसके लिए अन्य राज्यों के सैन्य धामों (शौर्य स्थलों) की जो स्टडी की गई है।

शूटरों के जिला जेल में डीएम-एसपी का निरीक्षण

टीम एक्शन इंडिया/प्रतापगढ़

जिलाधिकारी डॉ. नितिन बंसल और पुलिस अधीक्षक सतपाल ने मंगलवार को जिला जेल की सुरक्षा व्यवस्था का जाएजा लेने के लिए औचक निरीक्षण किया है।यहां की जेल में माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ के हत्यारे कैद है। दोनों अधिकारियों ने करीब सवा घंटे से तक प्रत्येक जेल का औचक निरीक्षण किया है। जेल सूत्रों की माने तो डॉन बदर्स के हत्यारों की बैरक में अधिकारियों ने चेकिंग की है। निरीक्षण के दौरान जेल में अफरा-तफरी का माहौल बन रहा है। बैरकों की छानबीन के दौरान कोई भी प्रतिबंधित सामान नहीं

मिला है। बंदियों से उनके खाने-पीने और जेल में मिली सुविधाओं के बारे में पूछा। दोनों अधिकारियों के वापस लौटने के बाद जेल प्रशासन ने राहत की सांस ली। उल्लेखनीय है कि अतीक और अशरफ की हत्या करने वाले हत्यारों को सोमवार दोपहर कड़ी सुरक्षा में नैनी जेल से उन्हें यहां पर शिफ्ट किया गया है। नैनी जेल में तीनों की जान की खतरा होने पर यहां भेजा गया है।

टारगेट फिक्स कानून व्यवस्था बनाये रखना पुलिस की पहली प्राथमिकता,

माफिया पुलिस की रडार पर, पुलिस के पास हर अपराधियों की कुंडली

टीम एक्शन इंडिया/लखनऊ

कानून-व्यवस्था को बनाये रखने के लिए प्रदेश की योगी सरकार धर्म और जाति को लेकर कार्रवाई नहीं करती है। बल्कि निशाने पर वो लोग हैं, जो खुद को जुर्म की दुनिया का बेताज बदशाह समझता है। ऐसे अपराधी जिन्होंने पूर्व की सरकारों के संरक्षण में अपराध का पूरा नेटवर्क खड़ा कर लिया था। वसूली, हत्या, रेप, लूट और अवैध कब्जा जैसे जघन्य अपराध इनके लिए मामूली घटनाएं हुआ करती थीं। जिन्हें न पुलिस का डर था और न ही किसी एक्शन की परवाह। आज ऐसे सभी अपराधी प्रदेश सरकार की सख्त छवि और

अपराधों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति से भयभीत हैं।

यूपी पुलिस के पास मोस्ट वांटेड की सूची मौजूदः अल्पसंख्यक हों या बहुसंख्यक, पिछड़ी जाति हो या अगड़ी, अपराधों के प्रति योगी सरकार सख्ती से निपट रही है। इसका सटीक उदाहरण यूपी पुलिस की मोस्ट वांटेड क्रिमिनल सूची है। जिसमें उन लोगों को शामिल किया गया है, जिन्होंने गंभीर अपराध किए हैं। यह सूची धर्म और जाति को आधार बनाकर तैयार नहीं की गई है। उल्लेखनीय है कि अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या के बाद विपक्षी नेता योगी सरकार पर अल्पसंख्यक विरोधी होने का आरोप लगा रहे हैं। ऐसे नेताओं के लिए यूपी पुलिस की मोस्ट वांटेड की सूची सबसे बड़ा सबक है।

प्रदेश में सूचीबद्ध किए गए माफियाः मेरठ जोनः उधम सिंह, योगेश भदोड़ा, बदन सिंह उर्फ बद्दो, हाजी याकूब कुरैशी, शारिक, सुनील राठी, धर्मेंद्र, यशपाल तोमर, अमर पाल उर्फ कालू, अनुज बारखा, विक्रांत उर्फ विक्की, हाजी इकबाल उर्फ बाला, विनोद शर्मा, सुनील उर्फ मूंछ, संजीव माहेश्वरी उर्फ जीवा व विनय त्यागी उर्फ टिंकू, आगरा जोन के अनिल चौधरी व ऋषि कुमार शर्मा, बरेली जोन के एजाज, कानपुर जोन के अनुपम दुबे।